खबर संक्षेप

परिवहन विभाग ने चलाया अभियान दिए निर्देश

मंडला। कलेक्टर के आदेशानुसार जिला परिवहन अधिकारी रमा दुबे द्वारा 24 मई को बस स्टेण्ड में अभियान चलाकर बसों में किराया सूची, दिव्यांगों को किराया में छूट संबंधी स्टीकर चस्पा किये गये एवं वाहन चालक एवं परिचालकों को निर्देशित किया गया कि बस में किराया यात्रियों का किराया सूची के अनुसार ही लें अधिक किराया लेने या अन्य शिकायतें प्राप्त होने पर नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। साथ ही गर्मी को देखते हुए बसों में पानी की व्यवस्था रखने हेतु बस चालकों एवं मालिकों कहा गया है। इस दौरान जिला परिवहन कार्यालय का स्टाफ उपस्थित रहा।

माल्यार्पण कर मनाई गई भगवान बुद्ध की जयंती

हरिभूमि न्यूज बरघाट। बरघाट बस स्टैण्ड में बाबा साहब डा. अंबेडकर और भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर बुद्ध जयंती मनाई गई। जिसमें नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती इमरता साहू, उपाध्यक्ष श्रीमती ममता पाठक, पूर्व नगर अध्यक्ष अनिल सिंह ठाकुर, पूर्व पार्षद ऋषभ जायसवाल, पार्षद हेमन्त राहंगडाले, पार्षद असंत उईके, पूर्व पार्षद अनिल पाठक, वरिष्ठ नागरिक बालकृष्ण शर्मा, कामरेड तीरथ प्रसाद गजभिए, अनिल गजभिए, रजनीश सोनटके, गजानंद मासूरकर, संजीव चौहान, शिव चौधरी तथा नगर के अन्य गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति रही ।

लेटेरल एन्ट्री से प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

बालाघाट। जिले के एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय उकवा में वर्ष 2024-25 में कक्षावार रिक्त सीट के लिए वर्गवार आवेदन आमंत्रित किये जा रहें है। जिसके अनुसार कक्षा 7 वी में 01 बालक बैगा अथवा विमुक्त घुमक्कड, 01 दिव्यांग बालिका, कक्षा 8वी में 01 दिव्यांग बालक, 01 दिव्यांग बालिका तथा 01 बालिका बैगा अथवा विमुक्त घुमक्कड तथा कक्षा 9वीं में 01 बालक बैगा अथवा विमुक्त घुमक्कड व 01 दिव्यांग बालिका की रिक्त सीट के लिए आवेदन किये जा सकते है । वहीं कक्षा 11वी में 15 बालक एवं 11 बालिका की रिक्त सीट के लिए अनुसूचित जनजाति, बैगा जनजाति, विमुक्त घुमक्कड जनजाति, दिव्यांग अभ्यर्थी, अनाथ अभ्यर्थी आवेदन कर सकते है । कक्षा 11वी में प्रवेश लिए कक्षा 10वी 60प्रतिशत अंको से उत्तीर्ण होना चाहिए ।

जिला न्यायाधीश ने किया बैहर उपजेल का निरीक्षण

बालाघाट। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश व अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण श्री दिनेश चन्द्र थपलियाल द्वारा शुक्रवार को उपजेल बैहर का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उपजेल बैहर के समस्त वार्डो में निरूद्ध बंदियों से चर्चा तथा उपजेल में पेयजल व्यवस्था, बंदियों की भोजन व्यवस्था व गुणवत्ता का निरीक्षण किया गया। साथ ही बंदियों के लिए उपलब्ध चिकित्सीय सुविधा एवं जेल में उपलब्ध दवाईयों, एवं वीडियों कान्फ्रेसिंग सुविधा के संबंध में जानकारी ली गई। वहीं जेल में शौचालय एवं स्नानगृह में स्वच्छता आदि के संबंध में उपजेल अधीक्षक को आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिये।

वोट डाक मत पत्र के स्ट्रांग रूम में रखे गए

बालाघाट। कलेक्टर व जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. गिरीश कुमार मिश्रा के निर्देशन में अपर कलेक्टर श्री जीएस धुर्वे और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में शुक्रवार को डाक मत पत्र का स्ट्रांग रूम खोला गया। ज्ञात हो कि जिले के नियमित रूप से सर्विस वोटर्स के मत लिफाफे प्राप्त हो रहे है। प्राप्त लिफाफे आयोग के निर्देशानुसार स्ट्रांग रूम में रखें जा रहें है। सहायक नोडल अधिकारी पीबी श्री गजेंद्र कठाने ने बताया कि शुक्रवार को 11 इटीपीबीएस प्राप्त हुए है।

ग्राहकों को पंसद आ रही डाकघर की दुर्घटना स्वास्थ्य बीमा पालिसी

एक वर्ष के लिए 755 रूपए में 15 लाख का बीमा

बीमा पॉलिसी में दुर्घटना से लेकर शादी, बच्चो की शिक्षा के लिए राशि तय, बीमा क्षेत्र में डाक विभाग की अनूठी योजना

मंडला। डाक विभाग ने एक निजी कंपनी के साथ मिलकर एक नई दुर्घटना बीमा योजना की शुरुआत की है। इस योजना के अंतर्गत इस बीमा की प्रीमियम राशि को बहुत ही कम रखा गया है, जिससे दुर्घटना से हुई मृत्यु पर आश्रितों को 15 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। मंडला जिले में भी इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक के उपभोक्ताओं को इस नई बीमा योजना से दुर्घटना व स्वास्थ्य बीमा देना शुरू हो गया है। बताया गया कि यह बीमा योजना मंडला डाकघर में विगत पांच वर्ष से चल रही है। इस बीमा योजना को अब अपडेट किया गया है। अपडेट के बाद जनवरी माह से मंडला जिले में इस बीमा योजना की नई शुरूआत हुई और अप्रैल माह से इस बीमा पॉलिसी ने अपनी रफ्तार पकड़ ली। दो माह में मंडला जिले से करीब 500 लोगों ने इस पॉलिसी को ले चुके है। डाक विभाग के अधिकारियों का कहना है कि इतनी कम राशि में अधिक बीमा कवर देने की सुविधा इस पॉलिसी में है। जिससे इस बीमा पॉलिसी को लोग पंसद कर रहे है।

जानकारी अनुसार डाक विभाग ने बीमा पॉलिसी में नए अपडेट के साथ महज 755 रुपये में 15 लाख रुपये की बीमा योजना की शुरुआत की है। नीवाबूपा एक्सडेंटल पॉलिसी लेने के लिए इंडिया पोस्टल बैंक में खाता होना चाहिए। 18 से 65 वर्ष के व्यक्ति सालाना 755 रुपये जमा कर बीमा योजना का लाभ ले सकता है। इस बीमा पॉलिसी में 15 लाख रुपये का बीमा कवर दिया जाएगा। बीमा पॉलिसी में दुर्घटना से लेकर शादी विवाह, बच्चों की शिक्षा,

दुर्घटना, अंतिम संस्कार तक के लिए अलग अलग श्रेणी में राशि तय की गई है। योजना का लाभ लेने के लिए व्यक्ति डाकघर में इंडिया पोस्टल बैंक में आकर खाता खुलवा सकता है।

मंडला के सभी निजी और शासकीय अस्पताल में सुविधा :

महंगे प्रीमियम पर बीमा कराने में असमर्थ लोगों के लिए भारतीय डाक विभाग द्वारा चलाई जा रही इस इंश्योरेंस पॉलिसी से मंडला जिले के शासकीय सर्टिफाइड अस्पतालों में भी उपचार कराया जा सकता है। इस बीमा पॉलिसी के लिए डाक विभाग के इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक ने निजी इंश्योरेंस कंपनी से अनुबंध किया है, इसके तहत हेल्थ प्लस और एक्सप्रेस हेल्थ प्लान इंश्योरेंस पॉलिसी लांच की गई हैं। इसमें मात्र 755 रुपए के सालाना प्रीमियम पर 15 लाख रुपए तक का दुर्घटना मुआवजा दिया जाएगा। महंगी बीमा पॉलिसी कराने में असमर्थ लोगों के लिए यह पॉलिसी वरदान साबित हो रही है। इस पॉलिसी के कवर में दुर्घटना में मृत्यु के बाद मुआवजे के अलावा बच्चे की शादी व पढ़ाई पर एक लाख रुपए की सहायता भी दी जाएगी। इसके साथ ही देश भर में 10 हजार से ज्यादा इमपेनल्ड हॉस्पिटल्स से फ्री इलाज की सुविधा दी गई है। जिन क्षेत्रों में कोई अस्पताल इमपेनल्ड नहीं है उन्हें इलाज, दवा आदि पर खर्च होने वाली राशि के बिल के पुनर्भरण की सुविधा भी दी गई है। मंडला जिले के सभी प्राईवेट और शासकीय अस्पताल में भी इस बीमा पॉलिसी से उपचार कराया जा सकता है।

दुर्घटना में हड्डी टूटी तो भी मिलेगा 25 हजार रुपये :

सहायक संबंध प्रबंधक जबलपुर संभाग ज्योत्सना श्याम ने बताया कि यदि किसी व्यक्ति की दुर्घटना में हड्डी टूट जाती है तो 25 हजार रुपये का लाभ दिया जाएगा। यदि कोई व्यक्ति जल जाता है तो उसे 10 हजार रुपये का लाभ मिलेगा। पॉलिसी के तहत यदि किसी व्यक्ति ने 755 रुपये जमा किए हैं। वह पूरे साल घर बैठे चिकित्सकों से सलाह ले सकता है। यदि किसी व्यक्ति के साथ दुर्घटना हो जाती है। वह निजी अस्पताल में उपचार कराता है तो उसे साधारण कमरे के 1000 रुपये प्रतिदिन दिया जाएगा। यदि आईसीयू में है तो दो हजार रुपए प्रति दिन का लाभ दिया जाएगा। इसी तरह गर्भवती महिला के प्रसव के दौरान साधारण कमरे का एक हजार रुपये व आईसीयू कमरे के लिए दो हजार रुपए प्रतिदिन के हिसाब से लाभ दिया जाएगा।

इस पॉलिसी का जिले में मिल चुका मुआवजा :

सहायक संबंध प्रबंधक ज्योत्सना श्याम ने बताई कि डाक घर की यह बीमा पॉलिसी उन परिवारों के लिए बेहतर है, जो मंहगी बीमा पॉलिसी नहीं करा सकते। आदिवासी बाहुल्य जिला मंडला में अभी तक करीब 500 बीमा पॉलिसी लोगों ने ले ली है। इसके साथ ही इस बीमा पॉलिसी कराने के बाद बहुत से बीमित व्यक्तियों को इसका मुआवजा भी मिल चुका है। मंडला जिले में इस बीमा पॉलिसी से सड़क दुर्घटना, जलने के केस के साथ अन्य में लोगों को इस बीमा पॉलिसी का क्लेम दिया जा चुका है। जिसके कारण लोगों का भरोसा डाक घर द्वारा शुरू की गई इस बीमा पॉलिसी पर बना हुआ है।

इनका कहना है

इस बीमा पॉलिसी में दुर्घटना बीमा कवर के साथ किसी बीमारी होने पर या साल में एक बार ब्लड टेस्ट, यूरीन टेस्ट, कोलेस्ट्रॉल टेस्ट जैसी सुविधाएं बिलकुल मुफ्त है, जो बहुत कम किस्त 555/755 रूपए साल का है जो कि इतने रूपए लोग एक दिन में खर्च कर देते हैं। एक साल में ये देना बुरा नही है।

ज्योत्सना श्याम
सहायक संबंध प्रबंधक, जबलपुर संभाग

इस बीमा पॉलिसी में मुआवजा के अलावा बीमित व्यक्ति के बच्चों की शिक्षा के लिए एक लाख रुपये व विवाह योग्य लड़के-लड़कियों के लिए एक लाख रुपये दिए जाएंगे। महंगे प्रीमियम पर बीमा कराने में असमर्थ लोगों के लिए यह पालिसी बेहतर और वरदान साबित हो रही है। जिससे इसे लोग पंसद कर रहे है।

सुरेन्द्र धुर्वे
उपभोक्ता, मनौरी, सिझौरा

सूरज के तेवर से हर दिन बदल रहा तापमान

आज से शुरू होगा नौ तपा, घर से कम निकल रहे लोग

मंडला

तेज गर्मी के कारण कूलर और ऐसी भी काम नहीं कर रहे हैं। हिंदू पंचांग के अनुसार ज्येष्ठ मास हिंदू वर्ष का तीसरा मास होता है। इस महीने में सूर्य देव अपने रौद्र रूप में होते हैं। गर्मी अपने चरम पर होती है। वैसे तो फागुन माह की विदाई के साथ ही गर्मी शुरू हो गई। गर्मी अधिक होने के कारण अन्य महीनों की अपेक्षा इस माह में जल का वाष्पीकरण अधिक होता है। जेष्ठ मास लगते ही क्षेत्र के नदी तालाब का जल कम होने लगता है। जिले में अनेक तालाब सूखने की कगार पर है। वहीं तेज गर्मी के चलते क्षेत्र के कई हैंडपंप और कुओं का जल स्तर कम हो गया है। कई ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की समस्याएं उभरने लगी है। तापमान में हो रही लगातार बढ़ोत्तरी के चलते जनजीवन अस्त व्यस्त हो चुका है। वहीं तेज गर्मी से वन्य जीवों के पेयजल स्त्रोत भी सूखने लगे हैं।

गर्मी व लू ने अपना कहर शुक्रवार को भी जारी रहा। लू के थपेड़ों ने लोगों को घरों में बांध रखा और धूप से बचाव के लिए लोगों विभिन्न प्रकार के जतन करते रहे। बता दे कि शुक्रवार को 42.3 डिग्री अधिकतम और 25 डिग्री न्यूनतम तापमान दर्ज किया गया। गुरूवार के मुकाबले शुक्रवार के तापमान में 1.3 डिग्री बढ़ोतरी दर्ज की गई। शुक्रवार 24 मई का अधिकतम तापमान इस सीजन का सबसे अधिक रहा।

आज से शुरू होगा नवतपा:

नवतपा शुरू होने के पूर्व ही गर्मी के तीखे तेवर बने हुए हैं। शुक्रवार को अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री रहा। सूर्य रोहिणी नक्षत्र में आज 25 मई से प्रवेश करेगा। इसके साथ नवतपा शुरू

हो जाएगा। गर्मी के तेवर को देखते हुए तापमान 45 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान लगाया जा रहा है। नवतपा शुरू होने के पूर्व ही गर्मी ने तीखे तेवर दिखा दिए। मौसम खुला होने से सुबह 8 बजे ही तपन महसूस होने लगी। दोपहर 12 से शाम 4 बजे तक गर्मी का रौद्र रूप देखकर लोगों ने घरों में रहना ही मुनासिब समझा। दोपहर में गर्म हवा ने झुलसाया तो तीखी धूप की तपन ने बेचैन किया।

सर्वोच्च स्तर पर पहुंचेगा पारा:

नवतपा से पहले ही इस वर्ष बेहिसाब गर्मी पड़ी। तेज धूप के चलते दिन प्रति दिन पारा ऊपर चढ़ता गया। जिसके चलते तेज गर्मी व लू के थपेड़ों से इन दिनों लोगों का बुरा हाल है। लू और भीषण गर्मी से कफ्र्यू जैसे हालात हैं। इन दिनों 12 बजे के बाद घर से बाहर कम ही लोग निकल रहे हैं। दोपहर में गर्मी अधिक होने से सड़कों पर सन्नाटा पसरने लगा है। गर्म हवाओं के कारण न केवल दिन में धरती तप रही है बल्कि रात में भी लोगों को राहत नहीं मिल पा रही है। रात में भी उमस परेशान कर रही है। इस वर्ष गर्मी अपने पूरे शबाब पर है। इस वर्ष पारा अपने सर्वोच्च 45 डिग्री पर पहुंचने का अंदेशा है। वही 25 मई को पारा में और उछाल मराने की भी संभावना जताई गई है।

इंतजाम से निकल रहे लोगः

लगातार बढ़ती गर्मी से शहर का जनजीवन बेहाल हो गया है। तेज गर्मी का लोगों के स्वास्थ्य पर भी विपरीत प्रभाव पडऩे लगा है। इस वर्ष गर्मी के रिकार्ड मई के दूसरे पखवाड़े में टूटने वाले है। मई माह में दिन प्रतिदिन तापमान में रोज बढ़ोतरी हो रही है। शुक्रवार दोपहर की स्थिति आसमान से आग बरसने जैसी थी। सड़कों पर सन्नाटा पसरा पड़ा था। बहुत जरूरी होने पर ही लोग दोपहर में घरों से बाहर निकले। लेकिन वो भी गर्मी से बचने का पूरी तरह इंतजाम कर। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी और पूरे समय चलने वाली गर्म हवाओं के थपेड़ों से जनजीवन प्रभावित हो गया है। दोपहर होते-होते सड़कें वीरान हो जाती हैं। लोग धूप गर्मी से बचने गमछे, टोपी व चश्मे का सहारा ले रहे हैं। दोपहर में लोग घरों से निकलने से भी परहेज कर रहे हैं। गर्मी का असर बढऩे के कारण पंखे तथा कूल भी राहत नहीं दे पा रहे हैं।

दिनांक	न्यूनतम	अधिकतम
17 मई	21.6	31.2
18 मई	22.0	38.2
19 मई	24.4	39.2
20 मई	23.2	41.0
21 मई	25.4	42.0
22 मई	25.0	41.2
23 मई	23.6	41.0
24 मई	25.0	42.3

आंगनबाड़ी केन्द्रों को मिल रहा नया स्वरूप

बच्चों की रूचि के अनुरूप विकसित हो रहे आंगनबाड़ी भवन

मंडला -जिले में आंगनवाड़ी केन्द्रों के भवनों में आवश्यक मरम्मत का कार्य कराते हुए उन्हेंबच्चों की रूचि के अनुरूप आकर्षक रूप से विकसित किया जा रहा है। कलेक्टर डॉण् सलोनी सिडाना ने आज इन कार्यों की विस्तार से समीक्षा करते हुए सभी कार्यों को जल्द पूर्ण कराने के निर्देश दिए हैं। जिला योजना भवन में संपन्न हुई इस बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रेयांश कूमट ईईपीआईयू जीपी पटलेए जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास शालिनी तिवारीए सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

150 भवनों में हो रही मरम्मत, 35 में पूर्ण

जिले के 150 आंगनवाड़ी भवनों में मरम्मत का कार्य किया जा रहा है जिनमें घुघरी के 23ए मोहगांव के 35ए मंडला के 81 तथा बीजाडांडी विकासखंड के 11 आंगनवाड़ी भवन सम्मिलित हैं। आज दिनांक तक 35 भवनों के मरम्मत का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। कलेक्टर ने शेष सभी कार्यों को जून के प्रथम सप्ताह तक पूर्ण करने के निर्देश दिए हैं। गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। उन्होंने आंगनवाड़ी केन्द्रों में हो रही पेंटिंग के संबंध में भी आवश्यक निर्देश दिए। बैठक में **कलेक्टर ने पीव्हीटीजी एवं जनमन योजना के तहत स्वीकृत आंगनवाड़ी भवन के निर्माण कार्यों की भी समीक्षा की।**

पुरस्कृत होंगी अच्छा कार्य करने वाली एजेंसियाँ

कलेक्टर ने कहा कि आंगनवाड़ी केन्द्रों के निर्माण कार्यतथा मरम्मत कार्यों को समय सीमा में बेहतर गुणवत्ता के साथ पूर्णकराने वाली एजेंसियों को जिला स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि केन्द्रों में बच्चों के रूचि के अनुरूप पेंटिंगए उसकी साज.सज्जा तथा केन्द्रसे प्रदाय की जाने वाली सेवाओं के आधार पर जिला स्तर से मार्किंग की जाएगी।

पुलिस की साइबर क्राइम और अवेयरनेस की क्लास

बटालियन के पुलिस बल ने जाने अपनी वर्चुअल लाइफ को सुरक्षित रखने के उपाय

किसी भी प्रकार के सायबर ठगी की शिकायत 1930 पर करायें दर्ज

मंडला – पुलिस द्वारा साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने के लियेए सायबर अपराधो के प्रति लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा हैं। आज दिनांक पर पुलिस अधीक्षक मंडला के निर्देश पर 35वीं वाहिनी मंडला में साइबर सुरक्षा और जागरूकताष विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। आयोजित कार्यक्रम में सायबर सेल मंडला के उप निरीक्षक हिमांशु चौहान द्वारा पुलिस बल को वर्तमान समय के साइबर अपराधों के प्रकारों और इनसे बचने के तरीकों को बताते हुएए उन्हें पुलिस के पास आने वाली साइबर अपराधों की शिकायतों की केस स्टडी के आधार परए विभिन्न प्रकार के साइबर फ्रॉड. ओटीपी फ्रॉडए फर्जी लिंक भेज कर किए जाने वाले फ्रॉडए ओएलएक्स या ई.कॉमर्स वेबसाइट द्वारा किए जाने वाले फ्रॉडए सेक्सटॉर्शन फ्रॉड और सोशल मीडिया द्वारा की जाने वाली साइबर बुलिंगए फिशिंग आदि साइबर अपराधों की जानकारी दी।

साथ ही साइबर अपराध होने पर साइबर हेल्पलाइन.1930ए बलइमतबतपउमण्हवअण्पदए मोबाईल गुम होने की शिकायत हेतु ब्म्प्त पोर्टल तथा मंडला पुलिस की साइबर हेल्पलाइन 7049141561 आदि पर किस प्रकार शिकायत करें तथा प्राप्त शिकायतों पर पुलिस द्वारा किस प्रकार कार्यवाही की जाती है और साइबर अपराधों से बचने के लिए किन बातों का ध्यान रखें आदि के संबंध में प्रैक्टिकली समझाया गया।

चूंकि हम सभी आजकल बहुत से काम ऑनलाइन करने के साथ.साथ सोशल मीडिया आदि का भी ज्यादा उपयोग कर रहे हैं। अतः साइबर क्राइम से बचने के लिए जागरूक और सतर्क रहकर पूरी सावधानी के साथ सोशल मीडिया और ऑनलाइन फाइनेंशियल काम करें तथा अपनी निजी जानकारी किसी से भी शेयर नहीं करें । इस अवसर पर 35वीं बटालियन के पुलिस अधिकारी असिस्टेंट कमांडेंटए इंस्पेक्टरए उप निरीक्षक सहित बटालियन में पदस्थ पुलिस बल ने साइबर सुरक्षा संबंधी बारिकियों को समझा।

संस्कृति बलिकागृह मण्डला में जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न

मंडला -राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशन में एस0के0 जोशी प्रधान जिला न्यायाधीशए अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंडला के आदेशानुसार एवं जिला न्यायाधीशए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रवीण कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन में संस्कृति बालिकागृह मण्डला में बच्चों से मैत्रीपूर्ण संबंध विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रवीण कुमार सिन्हा जिला न्यायाधीशए सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरणए विवेकानंद

त्रिवेदी चतुर्थ जिला न्यायाधीशए अधीक्षिका बालिका गृहए स्टॉप एवं बच्चों की उपस्थिति में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बालिका गृह के बच्चों को बताया गया कि स्वस्थ्य जीवन शैली के लिए संतुलित आहार जरूरी है। साथ ही स्वच्छता पर भी ध्यान देनाए नियमित व्यायामए टहलनाए योग आदि को अपनी नियमित आदत बनाकर स्वस्थ्य रहें। साथ ही योग से हमें सभी प्रकार के रोगों से लड़ने की क्षमता मिल जाती है के संबंध में जानकारी दी गई।

आईटीआई में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि 10 जून

मंडला -शासकीय आईटीआई मंडला में संचालित एनसीव्हीटीए एससीव्हीटी के पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाईन के माध्यम से विभाग के पोर्टल ;ूण्केकण्उचण्हवअण्पदद्ध पर प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2024 पर जाकर 10 जून 2024 तक रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। प्रवेश से संबंधित समस्त जानकारी पोर्टल पर उपलब्ध है। अधिक जानकारी के लिए आवेदक विभाग के उपरोक्त पोर्टल पर अथवा कार्यालयीन कार्य दिवस में शासकीय आई0टी0आई0 मंडला में स्थापित हेल्पडेस्क से स्वयं उपस्थित होकर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

ओव्हर लोडिंग वाहनों पर 55 हजार का जुर्माना

मंडला। कलेक्टर के आदेशानुसार जिला परिवहन अधिकारी श्रीमती रमा दुबे द्वारा ओव्हरलोड एवं अवैध संचालित वाहनों के विरूद्व चैकिंग कार्यवाही के तहत मण्डला-नैनपुर मार्ग पर 26 वाहनों की जांच की गई। जिसमें वाहनों के परमिट, फिटनेस, बीमा, लायसेंस, मोटरयान कर एवं ओव्हर लोडिंग आदि की जांच की गई। चैकिंग के दौरान वाहन क्रमांक एमएच/40सीडी/7451, एमपी20/एचबी/ 7377 एवं एमपी20/एचबी/907 ओव्हरलोड संचालन करते पाये गये जिसमे मोटरयान अधिनियम के तहत 55 हजार चालानी कार्यवाही की गई। जिससे डम्पर चालकों एंव स्वामिओं में हडक़ंप मची हुई है। चेकिंग में परिवहन कार्यालय मण्डला से राहुल उइके एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। वाहनों की जांच लगातार जारी रहेगी। बता दें कि लंबे समय से बस संचालकों के द्वारा अधिक किराए लिए जाने की शिकायत मिल रही थी जिस पर बसों पर किराया सूची चस्पा की गई है। वहीं नियमों के विपरीत चल रहे वाहनों पर कार्यवाही गई है।

बच्चों के साथ केक काटकर म. प्र. पर्यटन दिवस मनाया गया

मण्डला। एमपीटी मण्डला में मनाया गया मध्यप्रदेश पर्यटन दिवस। मध्यप्रदेश पर्यटन दिवस के अवसर पर पर्यटक मोटल मंडला एमपीटी में काशीविश्वनाथ वैदिक गुरुकुल जलहरी घाट आश्रम के विद्यार्थी एवम आचार्यो के साथ मनाया गया यहां गुरुकुल के सभी बच्चो एवम आचार्यो को आमंत्रित कर पूरे मोटल का भ्रमण कराया गया साथ ही बच्चो को पर्यटन के संबंध में जानकारी दी गयी । एमपीटी स्टाफ मण्डला द्वारा आये हुए सभी बच्चो के साथ केक काटकर म. प्र. पर्यटन दिवस मनाया गया । 35वीं वाहिनी में साइबर सुरक्षा और जागरूकताष विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

अनुराग जैन का निधन

निवास-निवास नगर के प्रतिष्ठित जैन परिवार ;जैन मेडिकलद्ध के संचालक अनुराग जैन 52, स्वर्गीय संपत जैन जी के ज्येष्ठ पुत्र एवं अमिताभ जैन आबकारी अधिकारी के बढ़े भाई का लंबी बीमारी के चलते बीती रात भोपाल में निधन हो गया। आप अपने पीछे आपकी जीवन संगिनी के साथ एक बेटा व एक बेटी को छोड़ गये।

खबर संक्षेप

पुलिस ने अलग अलग स्थानों से जप्त की अवैध शराब

गाडरवारा। शराब के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के लिये पुलिस द्वारा लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी के चलते बीते हुये दिवस सांईखेड़ा पुलिस द्वारा अपने थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम देतपोन तिराहा के पास भगवान दास पिता सुआलाल चौधरी निवासी ग्राम देतपोन के पास से 18 पाव देशी शराब जप्त की गई। इसी प्रकार से ग्राम बनवारी के पास सूखा स्टेड पर विजय पिता नन्हे कहार निवासी बनवारी के पास से 18 पाव व ग्राम पीपरपानी में वही के निवासी उत्तम पिता केहर सिंह राजपूत केपास से 15 पाव देशी तथा ग्राम पिठवानी पुलिया के पास शिवम पिता बलवान सिंह पटैल निवासी पिठवानी के पास से 15 पाव देशी व ग्राम रम्पुरा तिरहा के पास राजकुमार पिता हरनाम सिंह राजपूत उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम टेकापार के पास से 20 पाव देशी शराब जप्त की गई। इसी प्रकार से नगर के नाग मढिया के पास रोहित पिता रवि शंकर राजपूत नामक व्यक्ति के पास से 22 पाव तथा ग्राम देतपोन निवासी दीपक पिता अन्नी लाल कोरी के पास से 17 पाव तो रम्पुरा तिरहा के पास से ग्राम खिरैटी निवासी राम सिंह पिता परषोत्तम पटैल के पास से 16 पाव शराब जप्त करते हुये आरोपियों के खिलाफ 34 आवकारी एक्ट के तहत मामला कायम किया गया है।

फसल के पैसों की बात को लेकर भाई भाई में हुआ विवाद

गाडरवारा। समीपस्थ डोगरगांव पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम रायपुर निवासी एक भाई ने दूसरे भाई के खिलाफ शिकायत दर्ज कराते हुये बताया है कि हम दो भाई है बड़ा मैं हूँ तथा छोटा छोटे राजा कौरव है। मेरे छोटे भाई छोटेराजा ने अपने हिस्से की जमीन बैच दी है तथा में अपने हिस्से की खेती कर रहा हूं जिस पर गेंहू फसल बोई गई थी और जिसको विक्रय किया था। मगर जब में अपनी घर के बाहर खड़ा हुआ था तो उसी दौरान छोटेराजा कौरव आया और मुझसे कहने लगा कि तुमने फसल बेची है, उसके पैसो पर मेरा भी हिस्सा है मुझे हिस्सा के पैसा चाहिये मैनें छोटे राजा से बोला कि तुम अपनी हिस्से की जमीन बेच चुके हो इन पैसो में तुम्हारा कोई हिस्सा नहीं है। इसी बात पर पर छोटेराजा कौरव ने गंदी गंदी गलिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने आरोपी छोटे भाई के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

महिला के साथ डंडे से मारपीट करते हुये चोट पहुंचाई

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेडा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार बीते हुये दिवस ग्राम बम्हौरी कला निवासी एक महिला द्वारा पुलिस थाने में अपनी शिकायत दर्ज कराते हुये बताया हे कि किसी बात को लेकर उसके साथ रामकृष्ण अहिरवार द्वारा गंदी गंदी गालिया देते हुये मारपीट कर चोटे पहुंचाई तथा जान से मारने की धमकी दी गई। घटना को लेकर पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ मामला कायम करते हुये जांच में लिया गया है।

ट्रेक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत पर मामला दर्ज

गाडरवारा। समीपस्थ सांईखेड़ा पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार क्रेश पिता स्व, भोलेनाथ सपेरा उम्र 42 साल निवासी ग्राम पुरगंवा अपनी शिकायत में बताया है कि वह एवं उसका भांजा करन नाथ सपेरा पुरगंवा से नर्मदा जी नहाने सोकलपुर घाट पैदल जा रहे थे जैसे ही वह दोनो बम्होरी कला पुलिया के पास पहुंचे तभी ग्राम गरधा की ओर से लाल रंग का महिन्द्रा ट्रेक्टर का चालक तेजगति व लापरवाही पूर्वक चलाते हुये आया और करण नाथ को पीछे से टक्कर मार दिया और ट्रेक्टर अनियंत्रित होकर पुलिया से नीचे गिरा और मौके से ट्रेक्टर चालक भाग गया पलटे ट्रेक्टर को देखा तो वहा ट्रेक्टर महिन्द्रा कंपनी था जिसका रजि.क्र.MP05AJ1694 था। वही करन नाथ सपेरा को पलटे ट्रेक्टर के नीचे से निकालकर शासकीय चिकित्सालय गाडरवारा उपचार हेतु पहुंचाया गया जहां पर डाक्टरों द्वारा मृत घोषित किये जाने पर पुलिस द्वारा मर्ग कायम कर मामले को जांच में लेने के बाद आरोपी ट्रेक्टर चालक के खिलाफ मामला कायम किया गया है।

जांच के उपरांत तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा दिये गये एफआईआर के आदेश कहीं फाईलों में ही दबकर दीमक तो नहीं खा गया...?

तीन साल पहले क्षेत्र से लेकर प्रदेश स्तर के राजनीति में हडकंप मचाने वाले यूरिया घोटाले की कहानी आखिरकार कहां हो गई गायब....

हरिभूमि न्यूज। गाडरवारा। हर साल देखा जाता है कि जब किसानों को अपने खेतों में बोनी करने का समय आता है तो उन्हें यूरिया प्राप्त करने के लिये कितना परेशान होना पड़ता है यह सच्चाई सिर्फ एक साल की नही बल्कि हर साल देखने मिलता और इसके बाद पता चलाता है कि यूरिया वितरण के नाम पर काफी बड़ा घोटाला होने की सच्चाई तो सामने आती है। मगर जांच के नाम पर किस तरह वह गायब हो जाती है इस बात का शायद ही कभी किसी को पता चल पाता हो...? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई लगभग तीन साल पहले भी देखने मिल चुकी है। जब गाडरवारा क्षेत्र में बड़े स्तर पर हुये यूरिया घोटाला की सच्चाई सामने आई थी तो स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर की राजनीति में चर्चा का विषय बनने से नही चूक पाई थी और राजधानी स्तर से जांच के आदेश जारी होने के बाद इस मामले की जांच होते दिखाई देने लगी थी और जांच की सच्चाई आने के बाद तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा गफलतबाजी करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज किये जाने का आदेश जारी तो किया गया था। मगर हैरत की बात है कि आज तक यह पता नही चल पाया है कि आखिरकार उस मामले की एफआईआर किस थाने में दर्ज हुई है.., यह अनसुझली पहेली आज भी सबाल खड़े करने से नही चूक पा रही है...? यदि बीते हुये तीन साल पहले की घटना पर नजर डाली जावे तो किसान बोनी के समय एक एक बोरी यूरिया खाद प्राप्त करने के लिये उस समय चल रही कोरोना महामारी की बीच अपनी जिन्दगी दांव पर लगाकर लाईनों में भूखे प्यास खड़े होकर पुलिस की लाठिया खाने के बाद भी जब उन्हें यूरिया नही मिल पाता था जो चुपचाप शाम को अपने घरों को चले जाते थें और दूसरे दिन फिर लाईनों में खड़े हो जाने के बाद भी उन्हें यूरिया नही मिल पाता था। इस सच्चाई के बीच जहां किसान तो परेशान होता ही रहा और किसानों के नाम पर वितरण होने के लिये आये हुये इस यूरिया में अनेक इस प्रकार को लोग मालामाल होकर धनपति बन गये थें? इस तरह लगभग तीन साल पहले जब इस सच्चाई की खोजबीन जिले की मीडिया द्वारा करते हुये सच्चाई को उजागर किया गया तो नरसिंहपुर सहित गाडरवारा क्षेत्र में यूरिया घोटाले का मामला संपूर्ण प्रदेश में गूंजने से नही चूक था। वही अधिकारियों की मिली भगत के चलते किसानों के नाम पर वितरण होने वाला यह यूरिया इस प्रकार के किसानों के नाम पर वितरण कर दिया गया था जिनके नाम पर यदि सूक्ष्मता से जांच कराई जावे तो उतनी जमीन के मालिक तक नही होगे जितना उनके नाम पर यूरिया स्वीकृत हो चुका था? इस प्रकार से आज से लगभग साल वर्ष पहले मात्र 22 किसानों के नाम पर वितरण किये गये 9 हजार 119 क्विंटल यूरिया आवंटित किये जाने की सच्चाई को मीडिया द्वारा लगातार उजागर किया गया था। जिसमें प्रमुख रूप से दीप माला सालीचौका गाडरवारा, रीतेश अमोदा, रामेश्वर बसुरिया, दिनेश गाडरवारा, रोहित नरवारा, राजकुमार सालीचौका रोड, रामस्वरूप टुईयापानी, नंद किशोर सालीचौका रोड़, छोटे लाल सालीचौका, अमित गाडरवारा, मनखान चारगांव खुर्द, पतिराम गाडरवारा, सुरेन्द्र गाडरवारा, विजय सालीचौका रोड, विंजय झामर, सुरेन्द्र नरसिंहपुर, सुकेश गाडरवारा, दिलीप कंदेली, मनोहर गाडरवारा, रतल नरसिंहपुर, पलास गाडरवारा के नाम पर आवंटित होने की सच्चाई सामने आने के बाद अधिकारियों से लेकर जिम्मेदारों के बीच सनसनी का महौल निर्मित हो गया था। इसके बाद तत्कालीन जिला कलेक्टर द्वारा यूरिया मामले को लेकर हुये 27 अगस्त 2020 को जन संपर्क विभाग के माध्यम से जारी की गई सूचना में इस बात का उल्लेख किया गया था कि यूरिया वितरण में अनियमितता पर 4 उर्वरक विक्रेताओं के विरूद्ध दर्ज होगी एफआईआर आ आदेश जारी हुआ था। पीओएस मशीन से यूरिया वितरण में अनियमितता पर 4 निजी उर्वरक विक्रेताओं के विरूद्ध एफआईआर. पुलिस प्राथमिकी आपराधिक प्रकरण दर्ज करने की अनुशंसा की है तथा इस संबंध में तत्कालीन जिला कलेक्टर ने पुलिस अधीक्षक को आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कहा था..? मगर वह आदेश कहा गायब हो गया है और आदेश के पालन में क्या कार्यवाही हुई इस सच्चाई का आज तक सार्वजनिक तौर से कोई पता नही चल पाया है जो निश्चित तौर से अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है? वही दूसरी ओर इस मामले में उर्वरक विक्रेताआ के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने की अनुशंसा किये जाने की बात कही गई थी? वही जांच में निजी उर्वरक विक्रेताओं के चार प्रकरणों में पीओएस मशीन से यूरिया वितरण में अनियमितता किया जाना पाया गया। जांच में पाया गया कि मुलायम चंद द्वारा राम स्वरूप के नाम से 58.005 में.टन यूरिया, राजकुमार के नाम से 43.200 मे.टन यूरिया एवं छोटेलाल के नाम से 23,081 मे. टन यूरिया इस तरह कुल 124.286 मे.टन यूरिया का वितरण किसानवार न करते हुये पीओएस मशीन से इनके पुत्र द्वारा वितरित की गई जो अनियमितता की श्रेणी में आता है। इसी तरह प्रशांत द्वारा राजकुमार के नाम से 7.200 मे.टन यूरिया एवं छोटेलाल के नाम से 18 मे. टन यूरिया इस तरह कुल 25 मे. टन यूरिया का वितरण किसान वार नहीं किया गया। इसी तरह संजय द्वारा रोहित के नाम से 44.100 मे.टन यूरिया रामस्वरूप के नाम से 40.500 मे1टन यूरिया,अमित के नाम से 36 मे. टन यूरिया एवं पलाश के नाम से 31.500 मे1 टन यूरिया इस प्रकार कुल 152.100 मे. टन यूरिया का वितरण किसानवार नहीं किया गया। इसी प्रकार अक्षत द्वारा पतिराम के नाम से 36 मे.टन यूरिया एवं सुकेश के नाम से 32.400 मे. टन यूरिया इस प्रकार कुल 68 मे. टन यूरिया का वितरण किसानवार नहीं किया गया। इस प्रकार उक्त उर्वरक विक्रेताओं द्वारा यूरिया वितरण में शासन के निर्देशों का उल्लंघन किये जाने की सच्चाई सामने आई हुई थी? फलस्वरूप पीओएस मशीन से किसानवार यूरिया का स्टाक निरंक नहीं किया जाकर एक साथ बहुत अधिक मात्रा में अपने कर्मचारी, रिश्तेदारों व अन्य कृषकों के नाम किया जाना पाया गया जो गंभीर अनियमितता की श्रेणी में मानते हुये इन सभी चारों उर्वरक विक्रेताओं के विरूद्ध एफआईआर दर्ज करने की अनुशंसा लगभग आज से तीन वर्ष पहले तत्कालीन कलेक्टर द्वारा की गई थी। मगर इस अनुशंसा आदेश को आज लगभग तीन साल से भी अधिक का समय निकल जाने बाद भी इस मामले में क्या कार्यवाही हुई है व किस थाने में एफआईआर हुई इस सच्चाई का शायद ही किसी को कोई पता हो...? इस तरह स्थानीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक सनसनी फैला देने वाला इस यूरिया घोटाले की सच्चाई आखिरकार कहा गायब हो गई इस सच्चाई आज भी एक पहेली बनने के साथ साथ अधिकारियों की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े करने से नही चूक रही है? कही ऐसा तो नही कि यूरिया घोटाला की फाईले भी उस समय फैले हुये कोरोना से पीडित हो जाने के चलते उनका भी चुपचाप तरीके से कोविड प्रोटोकाल की तरह अंतिम संस्कार हो चुका है...., या फिर माँ लक्ष्मी के आर्शीवाद के चलते फाईलों को दीमक चट कर गया है...?

अतिक्रमण के जाल में उलझी शहर की यातायात व्यवस्था बदहाल

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। इस समय देखा जा रहा है कि नगर का यातायात जहां पूर्णरूप से भगवान भरोसे हो गई है, क्योंकि नगर सड़कों पर जहां आवारा जानवरो का जमावड़ा बना रहता है वही दूसरी ओर देखा जात रहा है कि लोगों द्वारा मुख्य सड़को के आस पास अतिक्रमण का जाल बिछाने के कारण सड़के व चौराहे संक्रीण होते चले जा रहे वही दूसरी ओर अनियंत्रित गति से वाहन चलाने के फैशन के चलते वर्तमान में शहर की यातायात व्यवस्था बदहाल होती जा रही है और पुलिस ने पूर्व में नगर की यातायात व्यवस्था में सुधार की जो कवायद की थी, वह बेमानी साबित हो रही है? क्योंकि इन दिनों यातायात व्यवस्था बिगड़नें का परिणाम है कि बड़े वाहनों से लेकर छोटे वाहन तक फर्राटे से शहर की सड़कों पर दौड रहे है, जिनमें क्षमता से अधिक सवारी भर वाहन चालक अपने वाहन बेखौफ चला रहे है और दो पाहिया वाहनों में शान से तीन सवारी बैठी नजर आ रही है? जिसका आलम यह है कि शहर के मुख्य स्थानों पर शाम के बाद रोज जाम लगने की स्थिति दिखायी पड़ रही है और सड़कों पर वाहनों की बेरोक टोक आवाजाही से शहरवासियों, राहगीरो का सड़कों को पार करना मुश्किल हो रहा है और वाहनों का घमाशान जारी रहने से आमजन तो परेशान हो ही रहे है साथ ही दुर्घटनाओं का अंदेशा भी सदा बना रहता है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि नगर के मुख्य बाजार में लोगों द्वारा अपने निजी स्वार्थ के चलते अपने घरों व दुकानों के सामन मुख्य मार्ग पर निजी बैरीकेट लगाते हुए इस प्रकार से अतिक्रमण किया जाता है जिसके चलते प्रतिदिन मुख्य मार्गो पर जाम की स्थिति निर्मित होते हुए देखी जा रही है। यदि इन प्रभाव शालियों के खिलाफ पुलिस कार्यवाही का डंडा घुमाती है तो यह लोग अपना रौब जमाते हुए पुलिस को चुप कराने के लिए झूठी शिकायते करने से भी नही चूकते है। इस स्थिति में नगर की यातायात व्यवस्था लगातार विगड़ते हुए देखी जा रही है? गौरतलब है कि नगर के मुख्य बाजार, झंडा चौक के आलवा बैंकों की शाखाओं और अन्य सार्वजनिक स्थानो पर पार्किंग व्यवस्था न होने से आमतौर पर वाहन बेतरतीब ढंग से सड़कों के किनारे खड़े करने के साथ साथ अनेक लोग अपने वाहनों को मुख्य सड़को पर ही खडे रहते है, जिनके कारण यातायात अराजक हो उठता है। ज्ञातव्य है कि शहर में एक भी एकांगी मार्ग न होने का नतीजा है कि लगातार नगर की यातायात व्यवस्था बाधित हो रही है और उसके सुधरने के लक्षण फिलहाल नजर नहीं आ रहे है। उल्लेखनीय है कि तहसील मुख्यालय होने के नाते गाडरवारा शहर की अहमियत बढ़ती चली जा रही है। नगर में पहले की तुलना में वाहनों की संख्या में बढ़ोत्तरी होने के साथ साथ आबादी में भी वृद्धि हो रही है। वही ग्रामवासियो के जरूरी कामों से निरंतर आने के आलवा एन टी पी सी पावर प्लांट की स्थापना और औद्योगीकरण की रप्तार बढ़नें से यातायात का दबाव बढ़ता जा रहा है, इस सच्चाई के चलते क्षेत्रवासियो की दरकार है कि अब शहर की यातायात व्यवस्थ को सुवि धाजनक बनाने की प्रशासनिक पहल की जाए, इसके अलावा पानी की टंकी, झंडाचौक, पलोटन गंज आदि महत्वपूर्ण स्थानो पर ट्रेफिक कंट्रोल के पुख्ता इंतजाम व्यापक जनहित में किए जाएँ। विदित हो कि शहर के थाने में जनसुरक्षा के लिए पुलिस बल तो कम है ही साथ ही यातायात पुलिस कर्मियो का भी अभाव है, जिसकी वजह से शहर की यातायात व्यवस्था में सुधार की सम्भवना सीमट कर रही गयी है। इसे विडम्बना ही कहा जाए कि सामाजिक संस्थाओं, नेताओं क्षेत्र में जनसेवा की दुकानदारी कर रहे लोगों ने शायद शासन प्रशासन के समक्ष यह आवाज नही उठायी कि बदले दौर में शहर की यातायात पूरी तरह सुधार कर जनता को निर्भय बनाया जाए, वही दूसरी ओर नगर में देखा जा रहा है कि नगर में जहां तहां बनी हुई पक्की नालियों पर लोगों द्वारा अपने घरों के प्रवेश द्वारा व दुकानों की सिडियाँ बनाकर उन पर कब्जा कर लिये जाने का परिणाम हे कि इस समय नगर के अनेक जगहों की नाली लोगों के अतिक्रमण में होने से उनपर कब्जा हो गया है जिसके चलते नालियाँ साफ नही होने के कारण यह नाली चोक हो चुकी जिसके चलते नालियों का निकलने वाला गंदा पानी मुख्य सड़कों पर बहता हुआ आसानी से देखा जा सकता है इस स्थिति में लोगों को उसी गंदे पानी के बीच से निकलने मजबूर होना पड़ रहा है, यदि इन नालियों को अतिक्रमण से मुक्त कराय दिया जावे तो निश्चित तौर से इन नालियों की नियमित सफाई होने लगे तो नगर की सफाई व्यवस्था में भी सुधार आ सकता है।

आज से नौ तपा के बीच सूरज देव उगले की आग

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इन दिनों पड़ रही भीषण गर्मी का हाल इस तरह बना हुआ है कि लोगों को सुबह 9 बजे ही अपने घरों से निकलना मुश्किल हो रहा है। वही दूसरी ओर आज से लग रहे नौ तपा के दौरान सूरज देव आग उलगने में कोई कसर नही छोडेगे। वैसे भी देखा जावे तो बीते हुये कुछ दिनों से पारा 41-42 के नीचे नही उतर रहा है। मगर आज से क्या हाल होगा इसका अनुमान लगाया जा सकता है। इस तरह भीषण गर्मी के दौरान में हो रही मनमानी बिजली कटौती के चलते लोगों की जहां रातों की नींद गायब हो रही है तो दूसरी ओर दिन के समय भी चैन नही है। शहर में बिजली कटौती का आलम इस तरह देखने मिल रहा है दिन रात में अनेको बार अचानक बंद हो रही बिजली के कारण जहां गर्मी के चलते लोग हलाकान होते हुये देखे जा रहा है। सबसे बुरा हाल तो जिन घरों में वृद्व व बीमार सहित छोटे बच्चों का हो रहा है। वही दूसरी ओर लगातार बढ़ रही गर्मी के दौरान हो रही अघोषित बिजली कटौती के संबंध में जब बिजली विभाग के अधिकारियों से संपर्क किया जाता है तो हालत यह बनता है कि विद्युत विभाग कार्यालय में फोन तक उठाना उचित नही समझा जाता है। इस स्थिति के चलते बिजली विभाग की मनमानी के कारण लोग बिजली कटौती के चलते लगातार परेशान होते हुये देखे जा रहे है।

क्षेत्र की पंचायतों में हुये निर्माण कार्यों की जांच से उजागर हो सकती है गुणवत्ता की सच्चाई?

हरिभूमि न्यूज/सालीचौका। जिस प्रकार से लोग अपनी ग्राम पंचातयों में किसी जनप्रतिनिधि का चुनाव करती है तो उसे उससे काफी उम्मीदे रहते हुए ग्राम के विकास की बाट जोही जाती है। मगर अक्सर देखा जाता है कि कुर्सी मिलने के बाद वह ग्राम विकास को भूलकर सिर्फ अपनी विकास की ओर ध्यान देने से नही चूकता है? इस बात की सच्चाई ग्राम पंचायतों के पूर्व सरपंचों के कार्यकाल खत्म होने के बाद जब नई पंचातयों का गठन हुआ तो ऐसा जान पड़ा की शायद अब ग्रामों की तस्वीर बदल जावेगी? मगर ऐसा कुछ हुआ जान नही पड़ रहा है और यदि बीते हुये पंचायती राज में सरपंचो के कार्यकाल पर गौर किया जावे तो उनके द्वारा किये गये भ्रष्टाचार को लेकर अनेक ग्राम पंचायतों की कार्य प्रणाली के खिलाफ आज भी अंगुली उठ रही रही हैं? सरपंचों के खिलाफ शिकायतों का अनवरत सिलसिला जारी है, जिम्मेदार अधिकारियों के पास ऐसी अनेक शिकायतें निराकरण की बाट जोह रही है जिनकी यानि निष्ठा के साथ जांच हो जावे तो पंचायतों में हुए घोटालों की सच्चाई सामने आ सकती है? वैसे सच यह भी है कि यदि प्रशासन इन शिकायतों के प्रति गंभीर रूप अख्तियार करता तो अनेक ग्राम पंचायतों के सरपंचो द्वारा पूर्व में डकारी गई शासकीय राशि अपने घर से चुकानी पड सकती है? दरअसल ग्राम पंचायतों में निर्माण कार्य सबसे अधिक शिकायतों के केन्द्र बिन्दु बने हुए हैं? निर्माण कार्यों में अनियमितता बरतने की शिकायत आम तौर पर है क्योंकि सरपंचों के पास पांच लाख रूपये तक के निर्माण कार्य किये जाने का अधिकार था और बाद में सरकार द्वारा उसमें बढ़ोत्तरी करते हुये डबल करने में कोई कसर नही छोड़ी गई थी, जिसका उन्होंने खुलेआम दुरूपयोग करते हुए अनेक पंचायतो में गुणवत्ताहीन किये गये निर्माण कार्य आज खुली गवाही दे रहे है। भले ही इन निर्माण कार्यों का मूल्यांकन तकनीकी विशेषज्ञों द्वारा अपनी जुगाडू व्यवस्था के साथ करा दिया गया हो,परंतु कतिपय यंत्री और उपयंत्रियों की मिली भगत भी इनमें रही है यही कारण है कि मूल्यांकन के निकार्ड से तो बेहतर निर्माण कार्य का हुआ है परंतु निर्मित कार्य घटिया ही साबित हो रहे है? जिनकी सच्चाई वह निर्माण कार्य स्वयं ही बता रहे है? इतनी ही नहीं कुछेक ग्राम पंचायतों में तो यह आरोप भी लगाया जाता है कि निर्माण हुआ ही नहीं और पैसा खर्च हो गया, वैसे ऐसे आरोपों की तत्काल और गंभीरता से जांच होनी चाहिये, जिससे पूर्व के सरपंचों की खाई हुई मलाई ऊपर आ जावे तथा वर्तमान जनप्रतिनिधि उनके नक्शे कदम पर न चले, अपेक्षा है कि क्षेत्र के जनपद पंचायत चीचली क्षेत्र में पूर्व सरपंचों के कार्यकाल में हुए निर्माण कार्यो की जांच की जावे तो अनेक प्रकार से चौकाने वाली सच्चाई आने से नही रूक सकती है।

मुख्य सड़क पर निर्माण सामग्री रखते हुए लोगों की जिन्दगी के साथ की जा रही खिलवाड़, प्रशासन है मौन

हरिभूमि न्यूज/कौड़िया। जहां एक ओर आये दिन पुलिस प्रशासन के साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा यातायात व्यवस्था सुचारू बनाने के नाम पर कार्यवाही की जाती है, इतना ही नली पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को देखा जाता है कि जब कोई वाहन चालक अपने वाहन को सड़क किनारे खड़े करते हुए किसी दुकान पर सामन लेने के लिए जाता है तो पुलिस द्वारा उसके वाहन की या तो हवा निकाल दी जाती है या फिर उसे थाने में पहुंचाते हुए चालानी कार्यवाही करते हुए कहा जाता है कि उनके द्वारा यातायात व्यवस्था बनाई जा रही है? मगर जब देखा जा रहा है कि प्रदेश स्तर की स्टेट हाइवे माने जाने वाली मुख्य सड़क पर ही लोगों द्वारा अपने स्वार्थ के चलते अतिक्रमण करते हुए निर्माण सामग्री रखते हुए आम लोगों की जिन्दगी के साथ खुलेआम खिलवाड़ की जा रही है उसे लेकर प्रशासन द्वारा मूक बना होना जहां चर्चा का विषय बना हुआ है, वही पुलिस प्रशासन के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का खुला प्रमाण देते हुए जान पड़ रहा है? इस संबंध में बताया जाता है कि जबलपुर से प्रदेश की राजधानी को जोड़ने वाला मुख्य स्टेट हाइवे मार्ग ग्राम कौड़िया के बीचो बीच से निकला हुआ है, जिस पर 24 घंटे छोटे से लेकर बड़े वाहनों का निकलना होता रहता है कभी कभी तो स्थिति इस प्रकार से बन जाती है कि इस सड़क पर यातयाता का दबाव अधिक होने के कारण जाम जैसी स्थिति निर्मित हो जाती है? इसके बाद भी नगर के राजीव चौक के पास कुछ लोगों द्वारा अपने स्वार्थ के चलते मुख्य सड़क किनारे ही अतिक्रमण करते हुए भवन निर्माण सामग्री रख दी गई जिसके चलते जहां यातायात में परेशानियों का सामना तो करना ही पड़ रहा है, वही दूसरी ओर जब कोई वाहन यहां से निकलता है तो यह गिट्टी उचट जाने के कारण लोगों की जिन्दगी के लिए खुलेआम खतरे की घंटी बाजते हुए जान पड़ती है? अक्सर देखा जाता है कि छोटे वाहन चालक तो जब इस मार्ग से गुजरते है तो सड़कों पर रखी हुई निर्माण सामग्री के चलते उनके वाहन स्लिप हो जाने से वह लोग गिरने से भी नही बचते है? वही दूसरी ओर अन्य प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भी इस मार्ग से दिन में गई बार गुजरना होता है उनके द्वारा भी इस प्रकार से मुख्य सड़क पर जबरन निर्माण सामग्री रखते हुए किया गया अतिक्रमण दिखाई नही देने के कारण लोगों को परेशानियों का सामना करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है? इस स्थिति को देखते हुए जहां वाहन चालक परेशान हो रहे है, वही दूसरी ओर पुलिस प्रशासन के साथ साथ अन्य प्रशासनिक अधिकारियों की उदासीनता का प्रमाण भी दिखाई दे रहा है।

आखिर में क्या यही है सरकार का स्वच्छता अभियान

हरिभूमि न्यूज/ सिहोरा /बोहानी। जहां एक ओर सरकार द्वारा गांव गांव करोड़ो रूपया खर्च करते हुए स्वाच्छता अभियान चलाते हुए खूब वाही वाली लूटी जा रही है? वही दूसरी ओर देखा जा रहा है कि गांवों में लगे हुए हेण्ड पंपों के पास गंदा पानी एकत्र होने के कारण लोगों को शुद्व पीने का पानी तक उपलब्ध नही हो पा रहा है, इस स्थिति को देखते हुए जहां अधिकारियों द्वारा चलाये जा रहे स्वच्छता अभियान पर सबाल खड़े होते हुए देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर लोगों द्वारा प्रदूषित पानी पीने के कारण बीमार पड़ने की भी संभावना बढ़ते हुए दिखाई देनने से नही चूक पा रही है, इस बात की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत चांवरपाठा के अंतर्गत आने वाले अनेक गांवों में देखने मिल रही है, जहां पर बताया जाता है कि आम लोगों के उपयोग हेतु लगे हुए हेण्ड पंप के पास इस प्रकार की स्थिति बनी हुई है कि संपूर्ण गांव की गंदी नालियों का पानी एकत्र होने के कारण हेण्ड पंप के समीप गंदगी फैल रही है, वही इस गंदे पानी के कारण हेण्ड पंप भी अब बदबूदार पानी छोड़ते हुये देखे जाने लगे है? जिसके कारण गांवों के लोग इस भीषण गर्मी के दौरान पानी के लिये यहां वहां भटकने के लिये मजबूर देखे जाने लगे है। जानकारी के अनुसार क्षेत्र के गांवों में लगे हुए हेण्ड पंपों के पास चारों ओर से गंदा पानी भरने के कारण जहां हेण्ड पंप से भी वही गंदा पानी निकलने लगता है जो पानी पीने योग्य नही होने के कारण लोगों परेशान होना पड़ रहा है, मगर इस ओर न तो पंचायतों द्वारा ध्यान दिया जा रहा है और न ही संबंधित विभाग द्वारा जिसके चलते लोगों को पीने के पानी हेतु भटकने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है, वही दूसरी ओर प्रशासन द्वारा गांव गांव चलाये जा रहे स्वाच्छता अभियान पर भी सबाल खड़े होने से नही बच पा रहे है, हेण्ड पंप की इस स्थिति को देखते हुए लोग यह बात कहने से नही चूक रहे है कि सरकार का सपना इस सच्चाई के चलते पूरा हो पायेगा।

गांवों में हैंड पंपों के पास लगा गंदगी का अम्बार

खबर संक्षेप

जिला चिकित्सालय का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने आज स्वास्थ्य सुविधाओं के मद्देनजर जिला चिकित्सालय डिंडौरी का निरीक्षण किया। उन्होंने रजिस्ट्रेशन काउंटर, आउट बोर्न यूनिट और अन्य कक्षों का मुआयना किया। मरीजों और उनके परिजनों से चर्चा कर उनके स्वास्थ्य के बारे में जाना। स्वास्थ्य विभाग के स्टॉफ से दवाइयों की उपलब्धता और आपूर्ति की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सीएमएचओ डॉ. रमेश मरावी सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहे।

आनंदम दीदी कैफे डिंडोरी में आयोजित होगा बाल आशीर्वाद कैंप

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिला प्रशासन बाल आशीर्वाद कैंप की शुरूआत की जा रही है। जिसके अंतर्गत जिला स्तरीय कैंप का आयोजन 25 मई 2024 को आनंदम दीदी कैफे में सुबह 10रू00 बजे से किया जायेगा। अभी तक जिले में ऐसे 180 बच्चे जिनके माता-पिता किसी कारण से मृत हो चुके हैं, जिन्हें बाल आशीर्वाद योजना से पूर्व में लाभान्वित किया गया है। वर्तमान में यह अपने किसी रिश्तेदार या पालक के साथ रह रहे हैं। अतः जो अपनी आर्थिक स्थिति एवं व्यस्तता के कारण इन बच्चों की सही से देख रहे नहीं कर पाते, ऐसी स्थिति में इस कैंप और कार्यालय के माध्यम से इन बच्चों के समस्त दस्तावेज बनाने, चल अचल संपत्ति का संरक्षण उनका हेल्थ चेकअप एवं शिक्षा आदि में सहायता कर सकते हैं। जिससे इन बच्चों को पर्याप्त सहायता मिल सके। साथ ही अपील की गई है कि सर्व संबंधित ऐसे अनाथ बच्चे जो योजना के लाभ से वंचित हैं, उन्हें भी लाभ दिलाएं।

विजयी रथ पर सवार अनूपपुर वालीबॉल टीम

अनूपपुर। मुरैना के अंबाह में चल रहे पांच दिवसीय मप्र राज्य स्तरीय 69 वीं पुरुष एवं महिला वॉलीबॉल चैंपियनशिप प्रतियोगिता में अनूपपुर की पुरूष वर्ग की टीम ने अपने दूसरे मुकाबले में रतलाम को दो शून्य (26-24 व 25-20) से हारकर अपनी जीत बरकरार रखी, यह टीम की लगातर दूसरी जीत है। बताया गया कि एक पूल कुल पांच टीमें है, जिसमे अधिक अंक पाने वाली टीम क्वार्टर फाइनल के लिए प्रवेश करेगी। जिला वालीबाल संघ के सह सचिव हरिशंकर यादव रेफरी जितेंद्र पनिका, श्रीमति पार्वती पनिका लगातर खिलाड़ियों का मार्गदर्शन व उत्साहवर्धन कर रहे है।

समर्थन मूल्य पर अब गेहूं की खरीद होगी 31 मई तक

कटनी। जिले भर में निर्धारित खरीदी केन्द्रों में पंजीकृत किसानों से गेहूं का उपार्जन अब 31म ई तक किया जाएगा। बड़ी संख्या में पंजीकृत किसानों के शेष रहने के कारण राज्य शासन ने गेंहू खरीद की अंतिम तिथि में वृद्धि की है। अब निर्धारित खरीदी केन्द्रों में 31 मई तक गेंहू की खरीद की जाएगी। शेष बचे पंजीकृत किसान अपनी सुविधा के अनुसार स्लॉट बुक करके समर्थन मूल्य में गेंहू उपार्जन का लाभ उठा सकते हैं।

डी.एल.एड. पाठ्यक्रम के लिये प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ

कटनी। प्रदेश के समस्त जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान तथा अशासकीय महाविद्यालयों में डीएलएड पाठ्यक्रम में शिक्षण सत्र 2024-25 के लिये पंजीयन की प्रक्रिया 13 मई से एमपी ऑनलाइन के माध्यम से शुरू कर दी गई है। उक्त संस्थानों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल की वेबसाइट पर जाकर प्रवेश संबंधी समस्त जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

छात्रवृत्ति के लिए पोर्टल पर 31 मई तक आवेदन

कटनी। शैक्षणिक सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के लिए एमपी टास पोर्टल पर अनुसूचित जाति पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति एवं आवास सहायता योजना नवीन एवं नवीनीकरण के लिए विद्यार्थियों द्वारा शत प्रतिशत आवेदन प्राप्त नहीं हुए है। उक्त परिप्रेक्ष्य में योजना से पात्र छात्र वंचित न रहे इसके लिए पोर्टल 31 मई तक खोला गया है।

ग्रामीणों की आजीविका के लिए फलदार पौधों का होगा रोपण

अरण्या परियोजना से पर्यावरणीय संतुलन का प्रयास

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। लगातार कम हो रहे वन क्षेत्र, बढ़ते प्राकृतिक असंतुलन और आजीविका के प्राकृतिक संसाधनों की कमी के बीच जिले के बैगा चक क्षेत्र से एक अच्छी शुरुआत हुई है जो आजीविका व प्राकृतिक संतुलन बनाने की दिशा में प्रयास शुरू किया गया है। कलेक्टर विकास मिश्रा ने भी इस कदम की सराहना की है साथ ही उन्होंने इस प्रॉजेक्ट की सफलता के लिए हर संभव मदद का आश्वासन भी दिया है।

जिले के बैगाचक क्षेत्र के खमहेरा गांव में निवसीड संस्था ने अरण्या परियोजना के शुरुआत के संबंध में जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया कार्यशाला में इस परियोजना का उद्देश्य बताया गया कि परियोजना के माध्यम से प्राकृतिक संसाधन संरक्षण व प्रबंधन, वन प्रबंधन कार्य योजना, कृषि विकास और प्राकृतिक खेती, फल उद्यान स्थापना एवं विकास, जैव संसाधन केंद्र की स्थापना और लघु वन उपज एवं कृषि उत्पाद मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण केंद्र की स्थापना की जाएगी। परियोजना एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से निवसीड संस्था द्वारा संचालित की जाएगी।

-क्या होगा परियोजना में

निवसीड के जिला समन्वयक बलवंत राहंगडाले ने बताया कि यह परियोजना 3 वर्षों में पूर्ण होगी जिसके तहत अजगर, गौरा कन्हारी, किवाड़ और खमहेरा पंचायत के 12 गांव के 1313 किसानों के साथ 40 हजार फलदार पौधों का रोपण किया जाएगा और इसके लिए गांव से ही जंगल सखी के सहयोग से यह कार्य होगा इन पौधों में आम, कटहल, आंवला, नीबू, मुनगा सहित अन्य पौधों का रोपण किया जाएगा इसी तरह 12 गांव के 1200 हेक्टेयर खाली पड़ी भूमि पर एग्रो फॉरेस्ट्री के तहत अर्जुन, साजा, बेल, चार, महुआ, तेंदू सहित अन्य पौधों का रोपण किया जाएगा इनकी संख्या 10 लाख होगी, समुदाय की सहभागिता से यह पूरा कार्य होगा। इससे फायदा यह होगा कि ग्रामीणों को फलदार पौधों से अतिरिक्त आजीविका का साधन बनेगा वहीं एग्रो फॉरेस्ट्री से पर्यावरण संतुलन बनेगा।

पूरी प्रक्रिया में समुदाय की सहभागिता महत्वपूर्ण रहेगी पौधों की उपलब्धता, सिंचाई की व्यवस्था, तकनीकी मार्गदर्शन संस्था द्वारा किया जाएगा वहीं वन विभाग भूमि की उपलब्धता, पौधों की उपलब्धता सहित समुदाय को तैयार करने में सहयोग करेगा। ग्रामीणों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए मिलेट मिशन के तहत मिलेट्स का उत्पादन कराया जाएगा।

-कलेक्टर ने की सराहना दिया मार्गदर्शन

कलेक्टर विकास मिश्रा ने कार्यशाला में पहुंच इस प्रॉजेक्ट की सराहना की उन्होंने प्रॉजेक्ट के लिए कृषि विज्ञान केंद्र को सहयोग देने के लिए कहा उन्होंने कहा कि कार्य के प्रगति की समीक्षा की जाए ग्राम पंचायतों की सहमति व प्रस्ताव के बाद कार्य किए जाएं इसमें समुदाय की भूमिका सुनिश्चित हो ताकि वह भी अपना जुड़ाव महसूस कर सकें। पूरी प्रक्रिया का सामाजिक अंकेक्षण हो।

-पंचायत भवन में किया पौधारोपण

प्रॉजेक्ट की सांकेतिक शुरुआत कार्यशाला उपरांत की गई जिसमे ग्रामीणों, अधिकारियों सहित संस्था के सदस्यों ने पंचायत भवन में फलदार पौधों का रोपण किया।

-ये रहे मौजूद

अरण्या परियोजना के संबंध में जिला स्तरीय कार्यशाला में सरपंच कौशल्या कुशराम, जनपद उपाध्यक्ष राधे श्याम कुशराम, कलेक्टर विकास मिश्रा, जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, कृषि विज्ञान केंद्र से वैज्ञानिक पी एल अंबुलकर, कृषि विभाग से उपसंचालक अभिलाषा चैरसिया, नेहा धुरिया, रेंजर अभिषेक सिंह, बी आर सी ब्रजभान सिंह गौतम, निवसीड रीजनल डायरेक्टर विमल दुबे, जिला समन्वयक बलवंत राहंगडाले, कार्यक्रम समन्वयक गौरव गुप्ता मौजूद रहे।

ग्राम पड़रिया कला के खेरमाई प्रांगण में चल रहा श्रीमद्भागवत का संगीतमय आयोजन

हरिभूमि न्यूज शहपुरा। शहपुरा नगर क्षेत्र ग्राम पड़रिया कला में 20 मई से संगीतमय श्रीमद् भागवत कथा साप्ताहिक ज्ञान यज्ञ का आयोजन किया जा रहा है जहां 20 मई से 27 में तक कथा प्रसंग का आयोजन होगा।कथावाचक बाल विदुषी देवी स्वाती एवं देवी प्रगति के मुखारविंद से बह रही अमृत की धारा। कथा का समय सुबह 7रू00 बजे से 11रू00 बजे तक एवं दोपहर 2रू00 बजे से शाय 6रू00 बजे तक किया जाता है से बड़ा फोन करने दूर-दूर से वक्तगढ़ पहुंच कर संगीत में श्रीमद् भागवत कथा का आनंद लेते हुए नजर आते हैं।25 मई को श्री कृष्ण रुक्मणी विवाह व 26 मई 2024 को सुदामा चरित्र और 27 मई 2024 दिन सोमवार को हवन विसर्जन व विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा ग्राम वासियों ने समस्त धर्म प्रेमी बंधुओ से एवं क्षेत्र वासियों से निवेदन व आग्रह करते हुए अधिक से अधिक जनसंख्या में पधार कर कथा श्रवण करने के किया गया है।

जिले के शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में प्रवेश प्रक्रिया हेतु पंजीयन की तिथि 10 जून तक बढ़ाई गई

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। जिले के अंतर्गत संचालित शासकीय आईटीआई डिंडौरी शहपुरा एवं नवीन शासकीय आईटीआई करंजिया, बजाग, समनापुर, मेहंदवानी एवं अमरपुर में कुल 492 सीटों के लिए आईटीआई में प्रवेश हेतु पंजीयन की प्रक्रिया 01 मई से प्रारंभ हो चुकी है, जिसकी अंतिम तिथि 10 जून तक बढ़ाई गई है। आईटीआई प्रबंधन से मिली जानकारी अनुसार इलेक्ट्रीशियन, वेल्डर,टर्नर, फिटर, डीजल मैकेनिक, मोटर मैकेनिक, स्विंग टेक्नोलॉजी, सोलर टेक्नीशियन, कंप्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट के तकनीकी प्रशिक्षण के लिए प्रवेश के पंजीयन की प्रक्रिया 10 जून तक बढ़ा दी गई है। तकनीकी ज्ञान एवं कौशल के क्षेत्र में स्वरोजगार और रोजगार के अवसर व भविष्य निर्माण के लिए न्यूनतम दसवीं कक्षा पास आवेदक प्रवेश प्रक्रिया में शामिल हो सकते हैं ऐसे आवेदक जो शासन के नियम अनुसार छात्रवृत्ति हेतु पात्र हैं उन्हें छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी एवं सभी संबल कार्ड धारक आवेदकों को प्रशिक्षण शुल्क में छूट की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। संस्था में प्रवेश लेने के इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन के माध्यम से विभाग के पोर्टली जजचेरूध्ध्केक.उच.हवअ.पद पर प्रवेश रजिस्ट्रेशन 2024 में जाकर पंजीयन कर सेकेंगे, अधिक जानकारी के लिए शासकीय आईटीआई शहपुरा एवं डिंडौरी से संपर्क करें।

माइक्रो आबर्जबर, मतगणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायकों का प्रशिक्षण प्रारम्भ

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। चुनाव आयोग के निर्देशन तथा कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी विकास मिश्रा के मार्गदर्शन में लोकसभा निर्वाचन 2024 के मतगणना पर्यवेक्षक एवं गणना सहायकों का प्रशिक्षण 30 मई को कन्या शिक्षा परिसर रयपुरा डिंडौरी में आयोजित किया जाएगा, इसी प्रकार मतगणना पर्यवेक्षक एवं मतगणना सहायक (मॉकड्रिल) का प्रशिक्षण 3 जून 2024 को शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी में निर्धारित है। साथ ही माइक्रो आबर्जबर का प्रशिक्षण 27 मई को कन्या शिक्षा परिसर रयपुरा डिंडौरी तथा माइक्रो आर्ब्जबर (मॉकड्रिल) का प्रशिक्षण 03 जून 2024 को शासकीय चन्द्रविजय महाविद्यालय डिंडौरी आयोजित की जाएगी।

"परवाज" रोजगार पाने का एक सुनहरा अवसर

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी।कलेक्टर श्री विकास मिश्रा के निर्देशन में तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार विभाग और जिला रोजगार कार्यालय द्वारा 8 जून को प्रातः 11 बजे से शाम 4 बजे तक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी में जिला स्तरीय परवाज (रोजगार मेला) का आयोजन किया जाएगा। आयोजित परवाज (रोजगार मेला) जिले के शिक्षित एवं बेरोजगार युवाओं के लिए रोजगार पाने का सुनहरा अवसर है। जिसमें प्रतिष्ठित टाटा कामर्शियल ऑटोमोबाइल जबलपुर, एसआईएस सिक्यूरिटी सर्विस अनुपपुर, एस.वाई.आर.एम.ए.एस.जी.एस. गुडगांव एवं जयश्री पॉलीमार, एस.एण्ड टी. कन्सट्रक्शन कंपनियों के द्वारा युवाओं की भर्ती की जाएगी। अभ्यर्थियों के लिए योग्यता 8वीं, 12वीं, स्नातक, एमबीए, आईटीआईध डिप्लोमा फिटर, इलेक्ट्रिकल, इलेक्ट्रॉनिक एवं मैकेनिकल सिविल के अभ्यर्थी रोजगार मेला में शामिल हो सकते हैं। आवेदकों के लिए आयुसीमा 18 से 40 वर्ष की आयु के सभी युवक - युवती पात्र होंगे किसी भी प्रकार की शैक्षिक योग्यता रखने वाले इस मेले में भाग ले सकते है। वेतनमान 11500ध- से 27000ध- योग्यता अनुसार है। रोजगार मेला में आवेदकों को आवश्यक दस्तावेज के रूप में पासपोर्ट साइज फोटो, मार्कशीट मूलप्रति एवं फोटोकॉपी, आधार कार्ड, पैन कार्ड एवं अनुभव संबंधी दस्तावेज लाना अनिवार्य है।

8 जून को शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय डिंडौरी में आयोजित होगा जिला स्तरीय परवाज (रोजगार मेला)

कृषकों को योजनाओं हेतु करना होगा ऑनलाइन पंजीयन, आवेदन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। विभाग में संचालित विभिन्न हितग्राही मूलक योजनाओं का लाभ लेने के लिए कृषकों को ऑनलाइन पंजीयन कर आवेदन करना होगा। जिस के लिए सभी कृषक उचापेंदं चच या उचापेंद पोर्टल में पंजीयन कर आवेदन कर सकते है। कृषक विभाग में संचालित योजनाओं का लाभ लेने हेतु ऑनलाइन पंजीयन स्वयं के मोबाइल या कॉमन सर्विस सेंटर या आपके क्षेत्र के कृषि विस्तार अधिकारी या उच वदसपदम बमदजतम में जाकर कर सकते है। आवेदन करने हेतु..ापेंद.उच.हवअ.पद वेबसाइट में पंजीयन करना होगा। आवेदन करने हेतु आवश्यक दस्तावेज में आधार कार्ड, खसरा, समग्र प.क., पासपोर्ट साइज फोटो, वजच हेतु आधार लिंक मोबाइल एवं जाति प्रमाण पत्र ले जाना आवश्यक है। अतः सभी कृषकों से अनुरोध है कि कृषक विभागीय योजनाओं हेतु ऑनलाइन पंजीयन करावे ताकि योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल करंजिया में खेल प्रशिक्षण का आयोजन

हरिभूमि न्यूज डिंडौरी। खेल और युवा कल्याण विभाग के तत्वाधान में विकासखंड करंजिया में शासकीय मॉडल हायर सेकेंडरी स्कूल करंजिया में खेल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है। खेल प्रशिक्षण में विभिन्न प्रकार के खेल जैसे जुंबा, एरोबिक्स, डांस आदि का प्रशिक्षण निःशुल्क दिया जा रहा है। जिसमें डांस स्पेशलिस्ट इति अग्रहरि पीटीआई, श्री मनीष तिवारी. ब्लॉक समन्वयक खेल श्रीमती लक्ष्मी बनावल, पुलिस दस्ता से सरोज, लक्ष्मी टेकाम, प्रीति पड़वार, आशुतोष पड़वार, चमन मसराम आदि के सहयोग से खेल प्रशिक्षण का आयोजन किया जा रहा है।

पात्र विद्यार्थियों को प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति का दिलाएं लाभ

कलेक्टर ने हाईस्कूल एवं हाई सेकेण्डरी स्कूल के प्राचायों को बैठक में दिए निर्देश

अनूपपुर। शैक्षणिक सत्र 2022-23 एवं 2023-24 के लिए एमपी टास पोर्टल पर अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के कक्षा 9वीं से 12वीं तक के जिन विद्यार्थियों द्वारा प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लिए अभी तक आवेदन नहीं किए गए हैं। ऐसे विद्यार्थियों के आवेदन भरवाए जाने हेतु सभी विद्यालय के संस्था प्रमुख आगामी एक सप्ताह में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करें। उक्ताशय के निर्देश कलेक्टर आशीष वशिष्ठ ने कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में जिले के सभी शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय और हाई स्कूल के प्राचार्यों की बैठक में दिए। कलेक्टर ने प्राचार्यों को बैठक में निर्देश दिए कि आगामी एक सप्ताह में ऐसे सभी विद्यार्थियों जिनकी एमपी टास पोर्टल पर प्रोफाइल अभी तक नहीं बनी है, उनकी प्रोफाइल बनवाएं। उन्होंने सभी विद्यार्थियों के जाति प्रमाण पत्र बनवाकर ई-केवाईसी करवाने के संबंध में निर्देश दिए। उन्होंने एमपीटास पोर्टल पर सभी पात्र विद्यार्थियों के प्री मैट्रिक छात्रवृत्ति योजना के लिए आवेदन करवाने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने एमपीटास पोर्टल पर आवेदन किए हुए सभी विद्यार्थियों के एप्रूवल करवाने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि पोर्टल पर आवेदन के संबंध में यदि कोई भी समस्या आती है, तो जनजातीय कार्य विभाग के सहायक आयुक्त एवं जिला शिक्षा अधिकारी से समन्वय कर समस्या का समाधान करें। उन्होंने बैठक में प्राचार्यो को निर्देशित किया कि कक्षा 9वीं से 12वीं का कोई भी पात्र विद्यार्थी छात्रवृत्ति योजना का लाभ उठाने से वंचित न रहे यह सुनिश्चित करें।

बच्चों को बाहर भेज महिला ने लगा ली फांसी, पुलिस कर रही जांच

अनूपपुर। कोतवाली अनूपपुर अन्तर्गत पोड़ी गांव में 30 वर्षीय महिला ने घर में गुरुवार की दोपहर फांसी लगा ली जिसकी सूचना पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर महिला के शव को देर रात जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर शुक्रवार को मायके, ससुराल पक्ष के परिजनों की उपस्थिति में कार्यवाही की। महिला के फांसी लगाने के कारणो का पता नहीं चल सका है। घटना के सम्बन्ध में मिली जानकारी अनुसार कोतवाली थाना अनूपपुर अन्तर्गत पोड़ी गांव के वार्ड क्रमांक 6 छुहाईटोला निवासी जितेंद्र चौधरी की 30 वर्षीय पत्नी सुशीला चौधरी गुरुवार की दोपहर में घर में फांसी लगा ली जिसकी सूचना पर मौके पर पहुंचकर पुलिस ने शव को फांसी से उतरवाकर देर रात होने पर जिला चिकित्सालय अनूपपुर लाकर शव परीक्षण कक्ष के फ्रीजर में रखा कर शुक्रवार को मायका, ससुराल पक्ष के उपस्थिति में पंचनामा, पीएम की कार्यवाही करते हुये कथन दर्ज किये, मृतिका घर पर गुरुवार को अपनी पुत्री, पुत्र के साथ रही दोनों को कुछ काम बताने बाद अकेले होने पर अज्ञात कारणों से घर की बड़ेरी एवं गर्दन में साड़ी के कपड़ा से फांसी लगा ली। पति जितेंद्र चौधरी मजदूरी का काम करने प्रतिदिन की तरह अनूपपुर गया था जिसके काम कर वापस लौटने पर पुत्री ने मां को फांसी लगाकर मृत हालात में देख पड़ोसियों, परिजनों को बताने पर पुलिस को सूचना दी, फांसी लगाने का कारणो का पता नहीं चल पाया है, पुलिस घटना की जांच में जुटी है।

आबकारी विभाग ने जप्त की 10 हजार रुपये मूल्य की अवैध मदिरा

अनूपपुर। जिला आबकारी अधिकारी को प्राप्त सूचना के आधार पर थाना अनूपपुर अंतर्गत ग्राम पिपरिया में सुखलाल पटेल के मकान एवं दुकान की सघन तलाशी लेकर आरोपी के कब्जे से 9 बोतल बीयर एवं 11 पाव केन बीयर बरामद की गई है। इसके अलावा थाना जैतहरी क्षेत्रांतर्गत ग्राम गौरेला में श्रीलाल मौर्य की दुकान एवं मकान की तलाशी लेने पर 48 पाव देशी मसाला मदिरा एवं 16 पाव विदेशी मदिरा गोवा व्हिस्की बरामद की गई है। कार्यवाही के दौरान कुल 22.87 बल्क लीटर देशी एवं विदेशी मदिरा बरामद कर आरोपियो के विरुद्ध म.प्र. आबकारी अधिनियम की धारा 34 (1) 'क' के तहत प्रकरण दर्ज किया गया। जिला आबकारी अधिकारी ने बताया है कि जब्त मदिरा का अनुमानित मूल्य लगभग 10500/- रुपये हैं। उन्होंने बताया कि कार्यवाही के दौरान आबकारी उपनिरीक्षक कृष्णकांत उईके, सुधीर मिश्रा, आबकारी मुख्य आरक्षक सहजू सिंह परस्ते आरक्षक अरविन्द द्विवेदी, मेहबूब खान, विक्रांत नामदेव एवं रितुराज सिंह उपस्थित रहे।

हरिभूमि

नर्मदा भूमि

10

जबलपुर, शनिवार 25 मई 2024

login : www.haribhoomi.com

करेली | तेंदूखेड़ा | श्रीधाम | सालीचौका | सुआतला | गाडरवारा | राजमार्ग | साईंखेड़ा | चीचली | करकबेल

खबर संक्षेप

आषा उपाध्याय ब्राम्हण सभा की प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त

नरसिंहपुर । गत दिवस अखिल भारतीय ब्राम्हण सभा के राष्टीय अध्यक्ष पं. संजय तिवारी द्वारा प्रदेश अध्यक्ष मुकेश तिवारी की अनुशंसा पर श्रीमती आशा पं. रोशन लाल उपाध्याय निवासी नरसिंहपुर को महिला मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। श्रीमती उपाध्याय की नियुक्ति पर उनके शुभचिंतकों द्वारा शुभकामनायें प्रेषित की है ।

मिलन समीति द्वारा छोटे सरकार का किया गया सम्मान

नरसिंहपुर । गत दिवस परम पूज्य श्री धीरेन्द्र शास्त्री जी बागेश्वर धाम सरकार की हनुमत कथा का विशाल आयोजन 6 जून से 10 जून तक ग्राम नवलगांव जिला नरसिंहपुर में एड, अजय सिंह लोधी मुख्य यजमान एवं आयोजन समिति के पंडित छोटे सरकार द्वारा आमंत्रण की कड़ी में विगत दिवस मिलन समिति कार्यालय में आगमन हुआ। आयोजन समिति द्वारा मिलन समिति के सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों को हनुमत कथा में आमंत्रित किया। इस अवसर पर मिलन समिति के संरक्षक एस, के, चतुर्वेदी, अध्यक्ष संजय राय, सचिव छोटू पटेल, तुलसीराम जाट, सुनील दुवे, सुनील प्रजापति, हेमराज विश्वकर्मा, कुंज बिहारी यादव, पप्पू राय, नेमाजी, गोपालपुरी गोस्वामी, दीपक रामावत सहित समजसेबी सराफा ब्यापारी अजय सोनी द्वारा चाँदी का नारीयल एबं थाली मिलन समिति के सदस्यों के साथ भेट की सभी ने आयोजन समिति के आमंत्रण को पाकर धन्यवाद ज्ञापित किया।

बंदियों को दिया जा रहा योग का प्रशिक्षण

नरसिंहपुर । जेल विभाग मप्र शासन भोपाल द्वारा प्रदेश की जेलों में निरुद्ध बंदियों को अपराध से मुक्ति और उनके मानसिक विकास के लिए प्रदेश स्तर पर आध्यात्मिक योग प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये गये हैं, जिसके तहत केन्द्रीय जेल नरसिंहपुर में 23 मई से दिनांक 26 मई तक प्रतिदिन एडवांस मेडिटेशन कोर्स प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ है । आर्ट ऑफ लिविंग संस्था के योग प्रशिक्षक राजेश मेहता राजकोट (गुजरात) एवं अरविन्द कुमार शर्मा द्वारा बंदियों को आध्यात्मिक ज्ञान एवं मूक साधना (मौन धारण), योग निंद्रा प्रशिक्षण दिया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रातः 7 बजे से प्रारंभ होकर संध्या 06:30 बजे तक संचालित हो रहा है। जिसमें लगभग 40 बंदी नामांकित होकर आध्यात्मिक योग प्रशिक्षण से लाभांवित हो रहे है। इस आध्यात्मिक योग प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य मनोवैज्ञानिक और आध्यात्मिक साधनों के माध्यम से जेल में निरूद्ध बंदियों को उनकी आत्मिक अवधारणाओं, स्वभाव, अंर्तमुखी विकास, उनकी आत्मा की गहराईयों को समझने, उससे जुडे.आनंद और शांति को अनुभव करने, तनाव को कम करने, उसके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन को प्रोत्साहित करना है। योगगुरू द्वारा बंदियों को योग के महत्व को समझाते हुए बताया गया कि, मानव मस्तिष्क को प्रफुल्लित होना, मानव तन को स्वस्थ्य रखने तथा सभी क्रियाओं पर नियंत्रण के लिए आध्यात्मिक योग अति महत्वपूर्ण एवं लाभकारी औषधी है। हमें अपने जीवन में योग को उचित स्थान देते हुए प्रतिदिन योगाभ्यास करना चाहिए। यदि हम अपने जीवन में योग को स्थान देते है, तो निश्चित ही हमारा मन और मस्तिष्क एक अच्छी सोच रखेगा।

वृक्षों की कटाई को लेकर सौंपा ज्ञापन

चिनकी बैराज परियोजना के तहत की जा रही कटाई

नरसिंहपुर

बीते दिना से चिनकी बैराज परियोजना के निर्माण कार्य के चलते डूब क्षेत्र मे आने वाले वन क्षेत्र के वृक्षों को काटा जा रहा है । मिली जानकारी के अनुसार उक्त परियोजना मे मिक्स प्रजाति के लगभग 1200 वृक्षों को काटा जाना है जिसकी स्वीकृति भी संबंधित ठेकेदार को वन विभाग द्वारा मार्किंग की दे दी गई है । वन विभाग द्वारा काटे जाने वाले पेड़ों को काटने के चिन्हित कर बाध निर्माण एजेंसी के सुपुर्द की दिया गया है ।

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

करेली तहसील के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बरमान के नर्मदा तटीय गांव गुरसी में नर्मदा तट से लगे सैकड़ों सागौन के पेड़ मशीन से काट दिये जाने के मामले में ग्रामीणों ने कलेक्टर नरसिंहपुर और वनमण्ड लाधिकारी, नरसिंहपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि उनके गांव गुरसी के पास स्थित टोरिया जो उनके लिए आस्था का केंद्र रही है वहां लगे पुराने सैकड़ों सागौन के पेड़ को किसकी अनुमति से कटाई की गई है क्योंकि जब मशीनों से पेड़ों को काटा जा रहा था तो पूछताछ करने पर पेड़ काटने वाले लोग मौके से भाग गये थे, इसके अलावा उनकी निजी कृषि भूमि को उनकी बिना सहमति से चिनकी बैराज निर्माण कार्य हेतु बिना मुआवजा दिये कब्जा करने की कोशिशें तहसील करेली के अधिकारियों द्वारा 4 बार की जा चुकी है। अतः इस मामले की उचित जांच कर कार्यवाही की जावे। ज्ञापन सौंपने वालों में बाबू पटैल, श्यामलाल पटैल, चन्द्रभान सिंह पटैल, लेखराम विश्वकर्मा, गिरिराज पटैल, आनंद पटैल, चेतराम लोधी, एकम सिंह पटैल, मातवर सिंह पटैल, रूपराम विश्वकर्मा एवं राम कुमार लोधी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्थानीय लोगों में रोष

करेली तहसील के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बरमान के नर्मदा तटीय गांव गुरसी में नर्मदा तट से लगे सैकड़ों सागौन के पेड़ मशीन से काट दिए गये हैं । सालों पुराने सैकड़ों सागौन के पेड़, कटाई देखकर ग्रामीणों में रोष है गौरतलब है कि लाखों हैक्टेयर में सिंचाई के लिए नर्मदा पर एक ओर जहां बांध बन रहा है तो दावा था कि इससे खुशहाली आएगी लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। दावों के उलट एक ओर दूसरी ओर इलाके की हरियाली भी अब खत्म हो रही है जमीनें डूब रहीं हैं सो लकड़ी माफियाओं ने आसपास के पेड़ काटने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों में नरसिंहपुर के इस इलाके में सैकड़ों पेड़ काट दिए गये हैं गांव वाले इसकी शिकायत कर रहे हैं लेकिन उनका आरोप वन विभाग सहित अन्य स्थानीय अधिकारियों पर ही है।

काटे जा रहा बेसकीमती कीमती सागौन

ग्रामीणों से हुई चर्चा के दौरान बताया गया कि उक्त बैराज निर्माण कार्य मे वन क्षेत्र के जंगल से बेशकीमती सागौन की कटाई की जा रही है । हालांकि ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि कटाई करने वालों द्वारा बिना मार्किंग के वृक्षों को भी काटा जा रहा है । जबकि वन विभाग द्वारा कटाई के लिये वृक्षों की मार्किंग की गई है । प्रशासन को चाहिये कि उक्त कटाई का अवलोकन किया जाये तथा जिले की वन संपदा को अवैध रूप से कटने से रोका जाये जिससे जिले हरियाली बनी रहे । वही ज्ञापन सौंपने गये ग्रामीणों द्वारा वनो की कटाई को रोकने के साथ - साथ मुआवजे की बात भी प्रशासन के समक्ष रखी ।

पंचमुखी बीजापुर गणेश को आज लगेगा 56 व्यंजनों का भोग

नरसिंहपुर। श्री नरसिंह मंदिर में विराजे पंचमुखी बीजापूर भगवान श्री गणेश जी की स्थापना के 1 वर्ष पूर्ण होने पर आज शनिवार को धार्मिक-सांस्कृतिक उत्सव मनाया जाएगा। समारोह को लेकर श्रद्धालुओं में अपार उत्साह है। कार्यक्रमों की शुरूआत आज प्रातः 9 बजे से भगवान श्री गणेश का अभिषेक अर्चन एवं हवन के साथ होगी। दोपहर में महिला मंडल द्वारा भजन कीर्तन एवं शाम 4 से कन्यापूजन , कन्या भोज होगा। आयोजन से जुड़े श्री देव नरसिंह मंदिर ट्रस्ट, जाट युवा मोर्चा, श्री मित्र गणेश मंडल ने बताया कि शाम 5.30 भगवान श्री गणेश को 56 प्रकार के व्यंजनों का भोग अर्पित किया जाएगा। इसके पश्चात रात 7 महाआरती एवं रात 8. 30 बजे से श्री गणेश चालीसा पाठ, भजन होंगे। उक्त कार्यक्रमों में सभी से उपस्थिति और सहभागिता की अपील की गई है।

ढाई सौ वर्ष बाद हुई थी स्थापना

नगर के प्राचीन नरसिंह मंदिर में करीब ढाई सौ वर्षों से अधिक समय से भगवान श्री गणेश की मूर्ति स्थापना के लिए स्थान रिक्त था। बीते वर्ष द्वारका शारदा पीठ के शंकराचार्य स्वामी सदानंद सरस्वती महाराज के सानिध्य व मार्गदर्शन में 23 मई से तीन दिवसीय प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम की शुरूआत हुई थी। जिसके तहत 25 मई को श्री पंचमुखी भगवान गणेश की मूर्ति की स्थापना प्राण प्रतिष्ठा की गई थी। शंकराचार्य ने ही भगवान गणेश की पंचमुखी प्रतिमा को बीजापूर गणेश का नाम देते हुए पूजन किया था। आज होने वाल उत्सव को लेकर मंदिर ट्रस्ट ने विशेष रूप से मंदिर की साज सज्जा की है और बड़ी संख्या में श्रद्धालु अपने घर पर बनाकर 56 प्रकार के व्यंजनों को लेकर आएंगे और भगवान को भोग अर्पित करेंगे।

आवेदक समग्र पोर्टल पर करा सकते हैं पंजीयन

नरसिंहपुर। जिले की शासकीय आईटीआई नरसिंहपुर, गाडरवारा, गोटेगांव व तेंदूखेड़ा में सत्र 2024 में ऑनलाईन प्रवेश के लिए डीएसडी ऑनलाईन पोर्टल पर रजिस्ट्रेशन कराने के लिए समग्र ई- केवाईसी में आ रही समस्या को दूर कर दिया गया है। आवेदक अब पूर्व वर्षो के अनुरूप प्रवेश के लिए अपना रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर एवं आवेदन में त्रुटि सुधार 10 जून 2024 तक कर सकते हैं। आवेदक विभिन्न संस्थाओं में प्रवेश लेने एवं ट्रेडों का चयन कर च्वाइस फिलिंग 27 मई से 10 जून तक कर सकते हैं। प्राचार्य शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था नरसिंहपुर ने बताया कि आवेदक अपना नाम और अन्य जानकारी अपनी दसवीं की अंकसूची के अनुसार ही भरें, जिससे प्रवेश के समय योग्यतानुसार दस्तावेजों के सत्यापन में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना ना करना पड़े। प्रवेश के बाद सभी प्रवेशित छात्रों का समग्र ई-केवाईसी कराया जायेगा। आवेदक समग्र पोर्टल पर अपना ई- केवाईसी पहले से ही करा लें। अधिक जानकारी के लिए नजदीकी शासकीय आईटीआई गाडरवारा, गोटेगांव, तेंदूखेड़ा एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था केन्द्रीय जेल के सामने न्यू बस स्टैंड के पास स्टेशन रोड नरसिहंपुर में संपर्क कर सकते हैं।

गृहस्थी से विरक्ति एवं समाज से आसक्ति की ओर हमको बढ़ना है: उत्तम बनर्जी

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ महाकौशल प्रांत के "संघ शिक्षा वर्ग विशेष" का शुभारम्भ

हरिभूमि, गोटेगांव

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, महाकौशल प्रांत के "संघ शिक्षा वर्ग – विशेष" का शुभारम्भ 24 मई को प्रातः 9 बजे गोटेगांव स्थित सरस्वती शिशु मंदिर परिसर स्थित सभागार में हुआ। सर्वाधिकारी हीरानंद चन्द्रवंशी, प्रांत कार्यवाह उत्तम बनर्जी एवं वर्ग कार्यवाह रविशंकर कहार ने भारतमाता की प्रतिमा पर दीपप्रज्वलन कर वर्ग का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सह प्रांत कार्यवाह विनोद नेमा एवं वर्ग के पालक अधिकारी विनोद दिनेश्वर उपस्थित थे। वर्ग में प्रांत भर से 183 शिक्षार्थियों की सहभागिता है.

स्वयंसेवकों को सम्बोधित करते हुए उत्तम बनर्जी ने कहा कि हमारे जीवन के चार सोपान हैं। ब्रह्मचर्य, गृहस्थ, वानप्रस्थ और सन्यास। वानप्रस्थी जीवन का मतलब है अपने जीवन के अनुभव को समाज के हित में लगाना। गृहस्थी से विरक्ति एवं समाज से आशक्ति की ओर हमको बढ़ना है। हम इस वर्ग में वानप्रस्थी जीवन के उद्देश्य को समझने के लिए आये हैं।

आगे उन्होंने कहा कि संघ को समझना है तो संघ के अंदर आना पड़ेगा, क्योंकि संघ का आकार बड़ा हो गया है, इसलिए संघ को पूर्ण रूप से समझना बहुत कठिन है। कोविड के समय समाज ने संघ के नेतृत्व में सेवा कार्य किया। संघ अब समाज परिवर्तन की भूमिका में उतर चुका है, समाज संघ की प्रेरणा से समाज परिवर्तन के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य कर रहा है। संपूर्ण महाकौशल प्रांत से स्वयंसेवक यहां प्रशिक्षण के लिए आए हैं, इस वर्ग का समापन 7 जून को दीक्षांत के साथ होगा।

कामगार मजदूरों व ठेकेदारों को दी गई तकनीकी व उपयोगी जानकारी

नरसिंहपुर । गत दिवस जिले के करेली तहसील क्षेत्र मे गृह निर्माण संघ के लगभग दो दर्जन ठेकेदारों व मजदूरों को सीमेंट के उपयोग तथा उसके उत्पादन विधि की जानकारी माईसेम सीमेंट (हाईडेलबर्ग सीमेंट) दमोह प्लांट का भ्रमण कराकर दी गई । जिसमे बताया गया कि सीमेंट का निर्माण किस प्रकार किया जाता है तथा उपयोंग के समय क्या सावधानी रखनी चाहिये उसका उपयोग कैसे किया जाता है बनने से लेकर उपयोग तक की पूरी प्रक्रिया का विस्तार से अध्ययन कराया गया। जिसमे ठेकेदारों ने देखा की हाईडेलबर्ग सीमेंट जो की विश्व में सीमेंट उत्पादन की सबसे बड़ी कंपनी किस प्रकार से माईसेम सीमेंट का उत्पादन निरंतर 150 वर्षो के अधिक अनुभव के साथ हमारे मध्य प्रदेश के दमोह जिले एवं देश-विदेश में कर रही है साथ साथ ठेकेदारों ने देखा की सम्पूर्ण प्लांट को बहुत साफ और स्वच्छता के साथ किस प्रकार से चलाया जा रहा है माईसेम सीमेंट कंपनी का विशेष उद्देश्य है की दमोह जिले एवं आसपास के सभी जिले के लोगो

को जर्मन तकनीकी के द्वारा बनाया गया उच्चगुणवत्ता का सीमेंट ताजा उपलब्ध कराया जाये ताकि भविष्य में तापमान की वृद्धि को देखते हुए उनके द्वारा निर्मित कार्य में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े गृह निर्माण संघ से जुड़े सभी पद अधिकारियों ने सीमेंट उत्पादन में उपयोग हो रहे सभी रॉ मटेरियल को भौतिक रूप से देखा साथ साथ देखा की कंपनी हर एक स्टेप पर मटेरियल की गुणवत्ता की जाँच करती है जिससे कि उत्तम गुणवत्ता का सीमेंट का उत्पादन हो जिससे निर्माण कार्य को बेहतर बनाया जा सके । माईसेम सीमेंट प्लांट के हेड सुरेश दुबे और एच.आर. हेड सुजीत मलिक ने सभी आमंत्रित ठेकेदारों का स्वागत कर विशेष रूप से बताया की जिले में स्थित यह कंपनी का उद्देश्य उच्च क्वालिटी का सीमेंट उत्पादन के साथ साथ ग्राहक को माईसेम के इंजीनियर द्वारा बेहतर सर्विस देना भी है ताकि निर्माण कार्य को मजबूत एवं टिकाऊ बनाया जा सके । इस एक दिवसीय कार्यक्रम में माईसेम सीमेंट प्लांट के एडमिन इंचार्ज अनिल शर्मा, एम पी-2 के कस्टमर सर्विस इंचार्ज इंजी. सर्वेश श्रीवास्तव, सेल्स एक्सीलेंस से पंकज कुमार, प्रोडक्शन से राजेंद्र सिंह,रवि सिंह, सौरभ यादव, मनीष भूमिआ, मेस इंचार्ज नीरज मिश्रा तथा नरसिंगपुर जिले के कस्टमर सर्विस इंचार्ज इंजीनियर मुकेश भुसारे द्वारा उक्त कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसमें जिले के टेक्निकल ऑफिसर इंजीनियर अरुण पटेल, दीपेश प्रजापति उपस्थित रहे ।

नि:शुल्क जेईई व नीट कक्षाओं का अवलोकन

नरसिंहपुर

कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के निर्देशन व सीईओ जिला पंचायत दलीप कुमार के मार्गदर्शन में उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में निःशुल्क जेईई व नीट की कक्षाओं का संचालन किया जा रहा है। सहायक कलेक्टर शुभम यादव ने निःशुल्क जेईई व नीट की कक्षाओं का अवलोकन किया। उन्होंने यहां विद्यार्थियों सौम्या नेमा, साक्षी वर्मा, वंश रजक, अनादि पटेल से कोचिंग के संचालन में शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। विद्यार्थियों ने बताया कि यहां निरूशुल्क मार्गदर्शन से प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी हेतु कहीं अन्यत्र नहीं जाना पड़ रहा और परिवार पर आर्थिक बोझ नहीं पड़ रहा। जिला प्रशासन द्वारा संचालित मार्गदर्शन कक्षा को विद्यार्थियों के हित मे बताया। सहायक कलेक्टर श्री यादव ने फिजिक्स का अध्यापन कराया। उन्होंने गति के समीकरण पर विस्तृत व्याख्यान देते हुए गति के समीकरण आधारित आकिंक प्रश्न हल कराए और विद्यार्थियों को मोटिवेशन दिया गया। इस दौरान फिजिक्स का अध्यापन इकबाल कुरेशी, प्राचार्य विषय

प्रभारी गणित आरके श्रीवास्तव, उमाशि सह प्रभारी गणित अभिनव लखेरा, केमिस्ट्री आरएन रावत, बायोलॉजी बालकृष्ण चैधरी मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि उत्कृष्ट विद्यालय नरसिंहपुर में निःशुल्क जेईई व नीट की कक्षाओं का संचालन प्रातरू 10 बजे से दोपहर 12:25 बजे तक किया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों को अलग- अलग विषयों के लिए नियुक्त विषय- विशेषज्ञों द्वारा मार्गदर्शन दिया जा रहा है। जिला शिक्षा अधिकारी एचपी कुर्मी व नोडल अधिकारी प्राचार्य जीएस पटेल द्वारा सतत अवलोकन कर रहे हैं।

अवैध शराब विक्रय के 17 आरोपियों पर कार्रवाई

नरसिंहपुर । जिले मे अवैध व्यापार को लेकर पुलिस द्वारा निरंतर कार्रवाई की जा रही है इसी क्रम में 17 आरोपियों से 285 पाव देशी, 66 लीटर कच्ची शराब एवं एक मोटर साईकल जप्त की गई । पुलिस ने बताया कि अवैध शराब के कारोबार में लिप्त 17 आरोपियों से 285 पाव देशी, 66 लीटर कच्ची शराब एवं एक मोटर साईकल जप्त अवैध कारोबारियों के विरूद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले के विभिन्न थानों द्वारा कार्यवाही करते हुये थाना स्टेशनगंज पुलिस द्वारा कार्यवाही करते हुये आरोपी गुड्डू यादव से 200 पाव देशी शराब एवं एक मोटर साईकिल क्रमांक एमपी 49 एमजी 7258, थाना कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी प्रियंका ठाकुर से 5 लीटर महुआ शराब, थाना करेली पुलिस द्वारा आरोपी भूपेन्द्र काछी से 5 लीटर कच्ची शराब,सीता बाई से 5 लीटर कच्ची शराब, पूजा बाई से 5 लीटर कच्ची शराब, रजनी बाई से 5 लीटर कच्ची शराब, जयश्री ठाकुर से 5 लीटर कच्ची शराब, थाना गाडरवारा पुलिस द्वारा थाना गाडरवारा पुलिस द्वारा कमलेश जाटव से 17 पाव देशी शराब, शंकर लाल कहार से 10 लीटर कच्ची शराब, ब्रजेश लोधी से 12 पाव देशी शराब, सितारा बाई

से 10 लीटर कच्ची शराब, थाना डोंगरगांव पुलिस द्वारा मनीष कहार से 5 लीटर कच्ची शराब, थना गोटेगांव पुलिस द्वारा छोटेलाल श्रीपाल से 6 लीटर कच्ची शराब, थाना सुआतला पुलिस द्वारा जगदीश नोरिया से 16 पाव देशी शराब, थाना मुंगवानी पुलिस द्वारा प्रकाश ठाकुर से 5 लीटर कच्ची शराब, थाना ठेमी पुलिस द्वारा तुलाराम मेहरा से 20 पाव देशी शराब एवं थाना सांईखेडा पुलिस द्वारा विश्राम सिंह से 20 पाव देशी शराब इस प्रकार कुल 285 पाव देशी एवं 66 लीटर अवैध कच्ची कुल कीमती 35100 रूपये जप्त कर आरोपियों के विरूद्ध आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण पंजीवद्ध किया गया है।

ट्रेन की चपेट में आने से व्यक्ति के कटे दोनों पैर

नरसिंहपुर

गाडरवारा थाना अंतर्गत भूतखेड़ा जमाडा निवासी विनोद चौधरी पिता वंशीलाल चौधरी उम्र 39 वर्ष का हर्रई गाडरवारा के पास ट्रेन की चपेट में आने से दोनों पैर कट गए वही स्थानीय लोगों ने 108 एम्बुलेंस की सहायता से उसे जिला अस्पताल रेफर किया वही जिला अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद गम्भीर स्थिति देखते हुए डॉक्टर ने मेडिकल कॉलेज जबलपुर रेफर किया। जिससे उसका बेहतर उपचार किया जा सके।

चिनकी बैराज परियोजना के तहत की जा रही कटाई

नरसिंहपुर

बीते दिना से चिनकी बैराज परियोजना के निर्माण कार्य के चलते डूब क्षेत्र मे आने वाले वन क्षेत्र के वृक्षों को काटा जा रहा है । मिली जानकारी के अनुसार उक्त परियोजना मे मिक्स प्रजाति के लगभग 1200 वृक्षों को काटा जाना है जिसकी स्वीकृति भी संबंधित ठेकेदार को वन विभाग द्वारा मार्किंग की दे दी गई है । वन विभाग द्वारा काटे जाने वाले पेड़ों को काटने के चिन्हित कर बाध निर्माण एजेंसी के सुपुर्द की दिया गया है ।

ग्रामीणों ने सौंपा ज्ञापन

करेली तहसील के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बरमान के नर्मदा तटीय गांव गुरसी में नर्मदा तट से लगे सैकड़ों सागौन के पेड़ मशीन से काट दिये जाने के मामले में ग्रामीणों ने कलेक्टर नरसिंहपुर और वनमण्ड लाधिकारी, नरसिंहपुर के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में मांग की गई कि उनके गांव गुरसी के पास स्थित टोरिया जो उनके लिए आस्था का केंद्र रही है वहां लगे पुराने सैकड़ों सागौन के पेड़ को किसकी अनुमति से कटाई की गई है क्योंकि जब मशीनों से पेड़ों को काटा जा रहा था तो पूछताछ करने पर पेड़ काटने वाले लोग मौके से भाग गये थे, इसके अलावा उनकी निजी कृषि भूमि को उनकी बिना सहमति से चिनकी बैराज निर्माण कार्य हेतु बिना मुआवजा दिये कब्जा करने की कोशिशें तहसील करेली के अधिकारियों द्वारा 4 बार की जा चुकी है। अतः इस मामले की उचित जांच कर कार्यवाही की जावे। ज्ञापन सौंपने वालों में बाबू पटैल, श्यामलाल पटैल, चन्द्रभान सिंह पटैल, लेखराम विश्वकर्मा, गिरिराज पटैल, आनंद पटैल, चेतराम लोधी, एकम सिंह पटैल, मातवर सिंह पटैल, रूपराम विश्वकर्मा एवं राम कुमार लोधी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

स्थानीय लोगों मे रोष

करेली तहसील के अंतर्गत वन परिक्षेत्र बरमान के नर्मदा तटीय गांव

गुरसी में नर्मदा तट से लगे सैकड़ों सागौन के पेड़ मशीन से काट दिए गये हैं । सालों पुराने सैकड़ों सागौन के पेड़, कटाई देखकर ग्रामीणों में रोष है गौरतलब है कि लाखों हैक्टेयर में सिंचाई के लिए नर्मदा पर एक ओर जहां बांध बन रहा है तो दावा था कि इससे खुशहाली आएगी लेकिन ऐसा होता नजर नहीं आ रहा है। दावों के उलट एक ओर दूसरी ओर इलाके की हरियाली भी अब खत्म हो रही है जमीनें डूब रहीं हैं सो लकड़ी माफियाओं ने आसपास के पेड़ काटने शुरू कर दिए हैं। पिछले कुछ दिनों में नरसिंहपुर के इस इलाके में सैकड़ों पेड़ काट दिए गये हैं गांव वाले इसकी शिकायत कर रहे हैं लेकिन उनका आरोप वन विभाग सहित अन्य स्थानीय अधिकारियों पर ही है।

काटे जा रहा बेषकीमती कीमती सागौन

ग्रामीणों से हुई चर्चा के दौरान बताया गया कि उक्त बैराज निर्माण कार्य मे वन क्षेत्र के जंगल से बेशकीमती सागौन की कटाई की जा रही है । हालांकि ग्रामीणों द्वारा बताया गया कि कटाई करने वालों द्वारा बिना मार्किंग के वृक्षों को भी काटा जा रहा है । जबकि वन विभाग द्वारा कटाई के लिये वृक्षों की मार्किंग की गई है । प्रशासन को चाहिये कि उक्त कटाई का अवलोकन किया जाये तथा जिले की वन संपदा को अवैध रूप से कटने से रोका जाये जिससे जिले हरियाली बनी रहे । वही ज्ञापन सौंपने गये ग्रामीणों द्वारा वनो की कटाई को रोकने के साथ - साथ मुआवजे की बात भी प्रशासन के समक्ष रखी ।